

शहीदों को नमन: रेल पी पी चितरंजन में पुलिस संस्मरण दिवस पर जीआरपी और आरपीएफ ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : चित्तरंजन स्टेशन स्थित 21 अक्टूबर को रेल पीपी के प्रांगण में पुलिस संस्मरण दिवस का गरिमामय आयोजन किया गया, जहाँ राजकीय रेल पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं जवानों ने संयुक्त रूप से देश की रक्षा और जनसेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों ने पूर्ण निष्ठा एवं सम्मान के साथ अमर बलिदानियों के चित्र पर पुष्प-चक्र एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान शहीद हुए जवानों की अदम्य वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वस्व समर्पण को याद करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया तथा उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व कृतज्ञता व्यक्त की गई। उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि वीरों का यह महान बलिदान हमें सदैव देश सेवा, ईमानदारी और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने की अनवरत प्रेरणा देता रहेगा। इस विशेष श्रद्धांजलि सभा में राजकीय रेल पीपी चित्तरंजन प्रभारी पुलिस उप निरीक्षक विमल कुमार, पुलिस उप निरीक्षक राम भंडारी, सहायक उप निरीक्षक रवींद्र नाथ सिंह एवं जवान कृष्णा महतो सहित आरपीएफ पोस्ट चित्तरंजन के वरिष्ठ पदाधिकारी एएसआई मोदक सर तथा अन्य जवान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में शहीदों की स्मृति को अक्षुण्ण रखने और देश की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

देश के 154 शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, परिजनों को किया गया सम्मानित



दिनेश कुमार पांडेय /रफ़्तार ब्यूरो

बोकारो : बोकारो के जैप 4 स्थित शहीद स्मारक पर आज देश के उन शहीद जांबाज जवानों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने देश और राज्य के लिए अपनी शहादत दी है। मौके पर पहुंचे जैप 4 के डीएसपी ने सबसे पहले शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के 154 पुलिसकर्मी शहीद हो गए जिनके त्याग एवं समर्पण से आज हम सुरक्षित हैं। इन शहीद परिवारों के प्रति भी सहानुभूति की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा शहीदों को आज नमन किया जा रहा है। जैप 4 भी आज श्रद्धांजलि दी। वहीं पुलिस संस्मरण दिवस पर पुलिस लाइन में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। संस्मरण दिवस पर पुलिस लाइन में बीर शहिद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। वहीं शहीद परिवारों को पौधा, अंगवस्त्र, देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित चांस एएसपी वेदांत शंकर ने परिजनों की समस्याओं को भी सुना। तथा समस्याओं के समाधान के लिए आश्वासन दिया। मालूम हो कि देश के 154 पुलिस कर्मी शहीद हो गए थे जिन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार, ट्रैफिक डीएसपी अजय कुमार, सीसीआर डीएसपी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

ढोल-नगाड़ों के साथ किन्नर समाज ने दी मां दुर्गा को विदाई, सुनैना किन्नर ने मांगी कोयलांचल की खुशहाली



गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: धनबाद में विजयादशमी के पावन अवसर पर किन्नर समाज ने ढोल-नगाड़ों की गूंज और पूरे उत्साह के साथ मां दुर्गा को भावपूर्ण विदाई दी। झारखंड सरकार के किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य सुनैना किन्नर के नेतृत्व में समाज के लोगों ने विधि-विधान के साथ मां दुर्गा और कलश का विसर्जन किया। इस दौरान माता रानी के जीयकारों से पूरा वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

सिंदूर लगाकर लिया आशीर्वाद, दिखा सामाजिक सौहार्द विसर्जन के बाद लौटते समय रास्ते में जगह-जगह महिलाओं ने सुनैना किन्नर और समाज के अन्य सदस्यों को सिंदूर लगाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान पारंपरिक अनुष्ठान के साथ-साथ समाज में आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली।कोयलांचल की खुशहाली की कामना इस मौके पर समाज के प्रमुख सदस्यों ने मां दुर्गा से क्षेत्र के कल्याण की प्रार्थना की:

सुनैना किन्नर (सदस्य, झारखंड सरकार किन्नर कल्याण बोर्ड): उन्होंने मां दुर्गा से पूरे कोयलांचल की जनता के लिए सुख-समृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य और शांति की प्रार्थना की। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, व्यापारियों, चिकित्सा कर्मियों, मीडिया कर्मियों और धनबाद की समस्त जनता पर माता रानी की विशेष कृपा बनाए रखने की कामना की।

मुस्कान किन्नर: उन्होंने अपनी गुरु दादी सुनैना किन्नर की प्रशंसा करते हुए उन्हें मां दुर्गा के समान बताया। उन्होंने कहा कि सुनैना किन्नर पूरे समाज को एक परिवार की तरह साथ लेकर चलती हैं और सबको आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

राजधानी \आसपास

करमाटांड में बनारस गंगा आरती की तर्ज पर हुई दित्य दुर्गा आरती का आयोजन, पूर्व कृषि मंत्री हुए शामिल

जय माता दी के जयघोष से भक्तिमय हुआ पूरा क्षेत्र

रफ़्तार मीडिया / संवाददाता करमाटांड जामताड़ा :

श्री श्री सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति हटिया प्लाट करमाटांड की ओर से नवरात्र के पावन अवसर पर भव्य दित्य दुर्गा आरती का आयोजन किया गया। बनारस की प्रसिद्ध गंगा आरती की तर्ज पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में पीयूष पाठक की टीम ने देर रात तक आकर्षक आरती की प्रस्तुति दी। आरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो

उठा और श्रद्धालु मां दुर्गा की भक्ति में लीन नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के पूर्व कृषि मंत्री साह सारठ के पूर्व विधायक रणधीर कुमार सिंह शामिल हुए। पूजा समिति के सदस्यों ने पूर्व मंत्री एवं आरती प्रस्तुत करने वाली टीम का स्वागत किया। पारंपरिक विधि-विधान और भक्ति भाव के साथ आयोजित इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आरती की भव्य



प्रस्तुति ने लोगों को बनारस की गंगा आरती की याद दिला दी। इस दौरान मां दुर्गा के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने जय माता दी और जय मां दुर्गा के जयघोष के साथ अपनी आस्था प्रकट की।



आयोजन के माध्यम से समिति ने धार्मिक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्र में भक्ति और सामाजिक एकता का संदेश देने का प्रयास किया। वही पूर्व मंत्री रणधीर कुमार सिंह ने कहा कि नवरात्र का

पर्व शक्ति, भक्ति और आस्था का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। इस तरह के धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं तथा समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र की धार्मिक

और सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत बनाते हैं।कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री श्री सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दित्य दुर्गा आरती के आयोजन से हटिया प्लाट करमाटांड सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा। मौके पर पूजा समिति के सदस्य मितेश शाह, राजेंद्र मंडल, महेंद्र मंडल, सूरज साह सहित सभी पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

धनबाद में सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा की विदाई, श्रद्धालुओं ने की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: धनबाद के हीरापुर स्थित ऐतिहासिक हरि मंदिर में दुर्गा पूजा के समापन यानी विजयादशमी के पावन अवसर पर पारंपरिक ‘सिंदूर खेला’ का भव्य आयोजन किया गया। यहाँ की दुर्गा पूजा और सिंदूर खेला अपने खास पारंपरिक बंगाली अंदाज के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध है, जो श्रद्धालुओं को कोलकाता की दुर्गा पूजा का जीवंत अहसास कराती है।भावुक माहौल में महिलाओं ने की अखंड सौभाग्य की कामना दस दिनों तक चली पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय रहे परिसर में माँ की विदाई के समय माहौल काफी भावुक हो गया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने माँ दुर्गा के चरणों में सिंदूर अर्पित किया और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर



परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की। श्रद्धालुओं की खास प्रतिक्रियाएं इस पारंपरिक और भव्य आयोजन के दौरान मौजूद महिला श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव और भावनाएं साझा कीं।निधि (श्रद्धालु): इन्होंने सिंदूर खेला के इस पावन पर्व पर अपनी आस्था व्यक्त करते हुए माँ से परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। आरती बैनर्जी (श्रद्धालु): इन्होंने इस पारंपरिक बंगाली अनुष्ठान के महत्व और उत्सव के

उल्लास पर अपने विचार रखे।

सेनिता (श्रद्धालु): इन्होंने विजयादशमी के दिन मां दुर्गा को विदाई देते समय के अपने भावनात्मक पलों को साझा किया। पुष्पा दास (श्रद्धालु): इन्होंने इस परंपरा को आपसी भाईचारे और सौभाग्य का प्रतीक बताते हुए अपनी खुशी जाहिर की।माँ दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन से पहले संपन्न हुए इस सिंदूर खेला के साथ ही धनबाद में इस वर्ष के दुर्गाोत्सव का पारंपरिक और भावनात्मक समापन हुआ।

धनसार में चांदमारी कोलियरी के पास मिला 40 वर्षीय कारू मांझी का शव

मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदमारी कोलियरी के समीप बुधवार सुबह 40 वर्षीय कारू मांझी का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक जोड़ा फाटक स्थित दारभगिया बस्ती का रहने वाला था। सूचना मिलते ही धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी।सीने और चेहरे पर मिले चोट के निशान

धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली ने बताया कि पुलिस को चांदमारी के पास शव मिलने की सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया।

मृतक के सीने और चेहरे पर चोट के निशान पाए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया गिरने से भी मौत की



आशंका जताई जा रही है, लेकिन किसी अन्य आपराधिक घटना या मारपीट की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मौत का असली कारण स्पष्ट करने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो सकेगी।

मंगलवार शाम से घर से लापता थे कारू मांझी

मृतक के भाई टिकू मांझी ने बताया कि कारू मांझी पेशे से कारपेंटर (बढ़ई) थे और दैनिक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

मंगलवार की शाम वह शौच

के लिए घर से निकले थे, लेकिन पूरी रात वापस नहीं लौटे।

बुधवार की सुबह परिजनों को चांदमारी के पास शव मिलने की सूचना मिली, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

परिजनों ने किसी से भी पुरानी दुश्मनी होने से साफ इनकार किया है, हालांकि उन्होंने आशंका जताई है कि उनके भाई के साथ कुछ अनहोनी या गलत जरूर हुआ है।

फिलहाल, धनसार थाना पुलिस परिवार के बयानों और घटनास्थल के हालात को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं से मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

शराब के लिए पैसे नहीं दिया तो सनकी युवक ने कर दी युवक की हत्या

- पुलिस ने किया खुलासा, SIT ने त्वरित कार्रवाई कर शातिर आरोपी को दबोचा**
दिनेश कुमार पांडेय
रफ़्तार ब्यूरो

बोकारो : बोकारो जिले के माराफारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित और सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का महज कुछ ही दिनों में उद्बेदन कर दिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष जाँच दल (SIT) ने तकनीकी साक्ष्यों, डॉग स्कॉड और त्वरित अनुसंधान के बल पर हत्या के मुख्य सूरज कुमार नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मालूम हो कि 17-18 अक्टूबर 2026 की रात्रि

डोमपाड़ा के नीचे खाली जगह, बीएसएल झोपड़ी कॉलोनी, माराफारी से एक शव को बरामद किया गया था। जिसकी पहचान झोपडी कालोनी निवासी अमित



कुमार के रूप में हुई थी।मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि मामला माराफारी थाना में कांड संख्या-85/2026 दर्ज कर अनुसन्धान शुरू किया गया था।

पुलिस पृष्ठताछ और परिजनों के बयानों के अनुसार, यह पूरी घटना तात्कालिक विवाद का नतीजा थी। आरोपी भूरा उर्फ सूरज कुमार नशे के लिए पैसे की मांग कर रहा था और पैसे नहीं मिलने पर उसने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की माँ और बहनों ने भी पुलिस को बताया था

शहीद दिवस पर वीर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

परिजनों को किया गया सम्मानित,

- पुलिस संस्मरण दिवस पर पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के बलिदान को किया याद, देश और नागरिकों की सुरक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को किया नमन,**
हजारीबाग/सुमन सिन्हा।

शहीद दिवस (पुलिस संस्मरण दिवस) के अवसर पर बुधवार, 21 अक्टूबर 2026 को हजारीबाग जिले के विभिन्न पुलिस प्रतिष्ठानों एवं पुलिस केंद्र स्थित शहीद स्मारक पर वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने उन वीर सपूतों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने जिले की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम



नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

कार्यक्रम में उत्तर छोटानागपुर क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अंजनी झा, हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) अमित कुमार तथा पुलिस केंद्र के परिचारी प्रवर कुमार देवब्रत सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।इस अवसर पर शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर अमर शहीदों को नमन किया गया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने शहीदों के अदम्य



साहस, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान जिले की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट की गई। साथ ही शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया।पुलिस संस्मरण दिवस का यह अवसर कर्तव्य के प्रति समर्पण, साहस और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। वीर शहीदों का बलिदान सदैव पुलिस बल और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

जामताड़ा मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा संचालित कन्या सम्मान अभियान का हुआ समापन, नौ दिनों में 51 नवजात कन्याओं को मिली सम्मान किट

- बेटियाँ खुशियों की सौगात हैं, उनका स्वागत, सम्मान और सुरक्षित भविष्य हमारा सकल्प है :- जीवन परशुरामका**
रफ़्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, शाखा जामताड़ा की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश लेकर आगे बढ़ा मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा नवरात्र के पावन अवसर पर चलाए जा रहे नौ दिवसीय कन्या सम्मान एवं संरक्षण

अभियान का समापन किया गया। इस अवसर पर मंच के सदस्यों ने पांच नवजात कन्याओं को सम्मान किट एवं उपहार देकर सम्मानित किया। अभियान के दौरान सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाते हुए समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का सबसे भावुक और यादगार पल उस समय देखने को मिला, जब एक परिवार में कई वर्षों के इंतजार के बाद नवरात्रि की नवमी के पावन दिन जुड़वां कन्याओं का जन्म हुआ। दोनों नन्ही बच्चियों के आगमन से परिवार में खुशियों का माहौल था। परिवार की



खुशी को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने दोनों कन्याओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया। इस पहल ने कार्यक्रम को और भी खास बना दिया। मंच की ओर से आयोजित नौ दिवसीय कन्या संरक्षण अभियान के तहत कुल 51 सम्मान

किट वितरित की गईं। अभियान का उद्देश्य नवजात बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाना, परिवारों को बेटियों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा समाज में कन्या संरक्षण और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। वही मंच के अध्यक्ष जीवन परशुरामका

ने कहा कि बेटियां समाज और परिवार की अनमोल धरोहर हैं। उनके जन्म पर खुशियां मनाना और उन्हें सम्मान देना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच का प्रयास है कि समाज में बेटियों के प्रति

सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिले और हर बेटी को सम्मान, शिक्षा तथा आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो। उन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। जीवन परशुरामका ने अभियान को सफल बनाने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले मंच के सभी सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। मौके पर जामताड़ा मारवाड़ी युवा मंच के सभी सदस्य उपस्थित थे।

नवरात्र में मां की भक्ति के साथ बुजुर्गों की सेवा, बाजार दुर्गा पूजा कमेटी ने पेश की मानवता की मिसाल

- उदलबनी वृद्धाश्रम पहुंचकर बाजार दुर्गा पूजा कमेटी के सदस्यों ने बुजुर्गों के बीच बांटी उपयोगी सामग्री**



जामताड़ा में नवरात्र के पावन अवसर पर मां दुर्गा की आराधना के साथ सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश देते हुए श्री श्री सार्वजनिक बाजार दुर्गा पूजा कमेटी, जामताड़ा ने सराहनीय पहल की। कमेटी के सदस्यों ने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को कायम रखते हुए जामताड़ा प्रखंड क्षेत्र के उदलबनी स्थित वृद्धाश्रम

पहुंचकर बुजुर्गों के बीच उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। इस दौरान बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी और संतोष देखने को मिला। कमेटी की इस पहल की सराहना की जा रही है।कार्यक्रम का नेतृत्व कमेटी के सदस्य अमरजीत दास ने किया। इस अवसर पर गोलू जोशी, रोशन कुमार, तरुण, पियूष, अंकित, प्रिंस सहित कमेटी

के कई सक्रिय सदस्य मौजूद रहे। सभी सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनके बीच आवश्यक सामग्रियों का वितरण कर उनके प्रति सम्मान एवं अपनत्व का भाव प्रकट किया। मौके पर अमरजीत दास ने कहा कि नवरात्र केवल मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं है, बल्कि यह सेवा,

करुणा, त्याग और मानवता को अपने जीवन में अपनाने का भी अवसर है। बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सेवा करना और उन्हें सम्मान देना हम सभी का सामाजिक एवं नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि श्री श्री सार्वजनिक बाजार दुर्गा पूजा कमेटी का प्रयास है कि प्रत्येक वर्ष मां दुर्गा की पूजा के साथ समाज के

जरूरतमंद लोगों के बीच खुशियां बांटी जाएं। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी कमेटी की प्राथमिकताओं में शामिल है।कमेटी की इस पहल ने नवरात्र के दौरान सामाजिक सेवा और मानवीय संवेदना का प्रेक उदाहरण प्रस्तुत किया। सदस्यों ने संदेश दिया कि सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता, बुजुर्गों का सम्मान और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने में भी निहित है। मां दुर्गा की आराधना के साथ सेवा भाव को जोड़कर कमेटी ने समाज को मानवता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

नम आंखों से दी गई मां दुर्गा को विदाई, सिंदूर खेला के साथ निभाई गई बंगाली परंपरा

- बाजार रोड दुर्गा मंदिर में सुहागिन महिलाओं ने खेला सिंदूर, राजामडीह और राज परिवार के यहां पूजा-अर्चना के बाद सरकारबांध में हुआ प्रतिमा विसर्जन**

दीनबन्धु राउत / रफ़्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा शहर के बाजार रोड स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में बुधवार को विजयादशमी के अवसर पर बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला का आयोजन किया गया। इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर एक-दूसरे को सिंदूर लगाया और अखंड सौभाग्य की कामना की। महिलाओं ने मां दुर्गा से अपने सुहाग की लंबी उम्र



तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा। पारंपरिक रीति-रिवाजों और भक्तिमय वातावरण के बीच मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी गई। सिंदूर खेला के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। मां की विदाई की बेला में श्रद्धालु भावुक नजर आए। पूरे आयोजन में बंगाली संस्कृति और

धार्मिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। सिंदूर खेला के बाद मंदिर परिसर से मां दुर्गा की प्रतिमा को श्रद्धालुओं ने कंधे पर उठाकर शहर के राजामडीह ले जाया। वहां मांझी परिवार की ओर से माता का पारंपरिक श्रृंगार किया गया और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मां दुर्गा की प्रतिमा को शहर भ्रमण करते हुए राज परिवार के यहां ले जाया गया। यहां भी महिलाओं और श्रद्धालुओं ने माता की प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद मांगा।

इसके पश्चात मां दुर्गा की प्रतिमा को शहर के सरकारबांध ले जाया गया, जहां विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से आगमन की प्रार्थना की। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही नौ दिनों तक चले दुर्गाोत्सव का समापन हुआ। सिंदूर खेला और प्रतिमा विसर्जन के माध्यम से जामताड़ा में धार्मिक आस्था, पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता का संदेश देखने को मिला।

सिंदूर खेला के साथ माँ दुर्गा को भावुक विदाई: मिहिजाम, चित्तरंजन और रूपनारायणपुर में दिखा भारी उत्साह

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम: विजयादशमी के पावन पर्व पर मिहिजाम, चित्तरंजन और रूपनारायणपुर में पारंपरिक सिंदूर खेला के साथ दुर्गाोत्सव का भव्य और उल्लासपूर्ण समापन हुआ। पूजा पंडालों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहाँ महिलाओं ने विधि-विधान से देवी बरण की रस्म निभाकर माँ शक्ति को भावुक विदाई दी। इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने सबसे पहले माँ दुर्गा के चरणों व माथे पर सिंदूर अर्पित किया। इसके बाद एक-दूसरे के माथे और गालों पर सिंदूर लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और अखंड सौभाग्य की कामना



की। पंडालों में भक्ति संगीत, मिठाइयों के वितरण और अबीर-सिंदूर के लाल रंग के बीच एक अद्भुत सांस्कृतिक छटा देखने को मिली। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माँ दुर्गा नवरात्र के समय अपने मायके आती हैं और

विजयादशमी को पुनः कैलाश पर्वत लौटती हैं। बेटियों की तरह माँ को विदा करते हुए श्रद्धालुओं की आँखें नम थीं, लेकिन साथ ही आशछे बछे़र आबार हँबे अगले वर्ष फिर आना माँ की उम्मीद भी दिखाई दी। सिंदूर खेला केवल

एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी प्रेम और एकजुटता का भी प्रतीक है। इन तीनों क्षेत्रों में महिलाओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देकर रिशतों में मिठास और स्नेह बनाए रखने का संदेश दिया। वहीं मिहिजाम और चित्तरंजन के अधिकांश प्रतिमाओं का विसर्जन करनल सिंह डैम चित्तरंजन रेल नगरी में होगा। जिसकी तैयारियां पहले से की जा चुकी है। जहाँ विसर्जन के लिए रोशनी, सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद किया गया है। इस पारंपरिक आयोजन ने एक बार फिर श्रद्धा, अटूट विश्वास और पारिवारिक मंगलकामना की मिसाल पेश की।

गांडेय के देवनडीह व भोक्तियालोहारी में ऐतिहासिक छाता मेला का आयोजन

कट्हु की बलि देकर निभाई गई अंग्रेजों के जमाने से पूर्व की परंपरा

राजु मंडल रफ़्तार मीडिया संवाददाता गांडेय

गांडेय प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत देवनडीह /भोक्तियालोहारी गांव में अंग्रेजों के जमाने से पूर्व से चली आ रही ऐतिहासिक छाता मेला की परंपरा इस वर्ष भी पूरी आस्था व उल्लास के साथ निभाई जा रही है। सदियों पुरानी इस अनूठी परंपरा को देखने और मेले का आनंद लेने के लिए आपसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु और मेला देखने पहुंच रहे हैं।

- झंडा गाड़कर और कट्हु की बलि देकर होती है शुरुआत**

बुजुर्गों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस मेले की शुरुआत अंग्रेजों के शासनकाल से भी



पहले से होती आ रही है। परंपरा के अनुसार, मेले के शुभारंभ पर सर्वप्रथम विधिवत पूजा-अर्चना के साथ झंडा गाड़ा जाता है। इसके पश्चात सांकेतिक रूप से कोहड़े (कट्हु) की बलि दी जाती है। इस विशेष अनुष्ठान के संपन्न होते ही ऐतिहासिक छाता मेला विधिवत रूप से शुरू हो जाता है।

- दुर्गा पूजा और भव्य कलश यात्रा ने बढ़ाया**

लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने पूजा पंडालों का किया भ्रमण

- माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना, हेमरोडीह में क्रिकेट प्रतियोगिता का किया उद्घाटन**



राजधनवार:--भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने मंगलवार को धनवार प्रखंड के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने धनवार बाजार स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंडप के अलावा घोड़भन्वा, मनसाडीह सहित अन्य पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन किए और क्षेत्र एवं राज्यवासियों की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। विभिन्न पूजा समितियों की ओर

से उन्हें चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा हमारी धार्मिक आस्था के साथ-साथ संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। यह पर्व लोगों को आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ रहने का संदेश देता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शांतिपूर्ण माहौल में आपसी सद्भाव के साथ त्योहार मनाने की अपील की। पूजा पंडालों के भ्रमण के बाद उन्होंने धनवार प्रखंड के

हेमरोडीह में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजन से जुड़े लोगों और खिलाड़ियों ने उनका स्वागत किया।

मौके पर अजय रंजन, जयप्रकाश साहा, लोकेश चौधरी, पवन साव, धनवार मंडल अध्यक्ष अरविंद कुमार, उदय सिंह, अमित कुमार, विजय कसेरा, शंभू रजक, अनमोल कुमार, राजेन्द्र यादव, संजय साव,उपेन्द्र सिंह आदि कई मौजूद थे।

पूर्ण गणवेश में आरएसएस स्वयंसेवकों ने निकाला भत्य पथ संचलन

जगह-जगह पुष्पवर्षा कर लोगों ने किया स्वागत

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

राजधनवार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी उत्सव के अवसर पर बुधवार को राजधनवार खंड इकाई की ओर से भव्य पथ संचलन निकाला गया। पूर्ण गणवेश में शामिल स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकजुटता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। पथ संचलन के दौरान जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन का शुभारंभ किड्स संस्कार प्ले स्कूल परिसर से हुआ। यहां से स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाकर राजधनवार बाजार के विभिन्न मार्गों से गुज़रते हुए पुनः विद्यालय परिसर पहुंचे। इस दौरान स्वयंसेवकों का अनुशासित प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान मां दुर्गा की तस्वीर के समक्ष विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया गया। इसके बाद संघ के प्रांत मुख्यमार्ग प्रमुख नित्यानंद उपाध्याय ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते



हुए कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को अशुण्ण बनाए रखने तथा राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि संघ पिछले 100 वर्षों से समाज को संगठित करने, उसे समृद्ध बनाने और व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में निरंतर जुटा है। उन्होंने स्वयंसेवकों से राष्ट्रहित, सामाजिक एकता और समाज सेवा के कार्यों में समर्पित भाव से योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला काह्नवाह वीर प्रताप शिव, जिला प्रचारक निरंजन कुमार, विभाग सेवा प्रमुख गौरीशंकर,

विभाग ग्राम विकास प्रमुख सुखदेव पंडित, सह जिला कार्यवाह प्रयाग प्रसाद, सह जिला बौद्धिक प्रमुख सुमन गौरव, जिला सेवा प्रमुख राजेश अग्रवाल, जिला ग्राम विकास प्रमुख महेंद्र प्रसाद, खंड कार्यवाह उमेश वर्णवाल सहित ओम प्रकाश वर्मा, सत्यवीर कुमार, प्रकाश कुमार, मुरारी कुमार, विक्रम कुमार, उदय सिंह, प्रदीप योगी, सहदेव वर्णवाल, रंधीर अग्रवाल, शैलेन्द्र साहू, संजीव अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, संतोष पंडित, विनोद मोदी, प्रवीण कुमार, संतोष कुमार, अनमोल कुमार, सरोज अग्रवाल, शंभू मोदी, श्रीकांत यादव, मदन विश्वकर्मा और सरयू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

सिंदूर खेला के साथ संपन्न हुई दशमी पूजा, नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई



आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ़्तार मीडिया

कुजू (रामगढ़)। रामगढ़ जिले के कुजु स्थित दुर्गाबाड़ी में विजयादशमी के अवसर पर सिंदूर खेला की परंपरा के साथ दुर्गा पूजा का समापन हुआ। इस दौरान बंगाली समुदाय की महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मां दुर्गा का वरण किया और उन्हें सिंदूर अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की।

दशमी पूजा संपन्न होने के बाद महिलाओं ने मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित किया। इसके पश्चात

महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सिंदूर खेला की रस्म निभाई। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे के सुहाग की लंबी उम्र और सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। सिंदूर खेला के दौरान पूरा दुर्गाबाड़ी परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा।

इसके बाद ढाक की गूंज के बीच मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए जलाशय तक ले जाया गया। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की प्रार्थना की। प्रतिमा

विसर्जन से पूर्व नवपत्रिका का भी विसर्जन किया गया।

गौरतलब है कि कुजू दुर्गाबाड़ी में पिछले लगभग 65 वर्षों से बंगाली रीति-रिवाजों के अनुसार मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। यहां सिंदूर खेला की परंपरा का विशेष महत्व है। हर वर्ष विजयादशमी के अवसर पर महिलाएं इस रस्म में शामिल होकर मां दुर्गा को विदाई देती हैं। इस तरह धार्मिक आस्था, परंपरा और भावनाओं के संगम के बीच दुर्गा पूजा का समापन हुआ।

माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन पूरे भक्तिमय माहौल, गाजे बाजे और जयकारों के साथ संपन्न हुआ

तिसरी/गिरिडीह रंजन कुमार, रफ़्तार मीडिया

तिसरी प्रखण्ड के सार्वजनिक दुर्गा मंडप,चंदेरी में स्थित सार्वजनिक प्राचीन दुर्गा मंदिर आदि कई जगहों की माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन बुधवार को पूरे भक्तिमय माहौल, गाजे बाजे और जयकारों के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूरा तिसरी और चंदेरी बाजार दुर्गा माता की जय और भक्तिमय नारों से गुंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह से श्रद्धा और उल्लास से सराबोर हो गया। विसर्जन जुलूस दुर्गा मंडप से शुरू होकर तिसरी के मुख्य मार्गों और बाजारों से गुजरा।



यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने बहु चढ़कर हिस्सा लिया। जुलूस तिसरी हाट बाजार, बजरंगबली मंदिर, शिव मंदिर, गांधी मैदान, एफसीआई गोदाम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तिसरी चौक और भण्डारी रोड का भ्रमण करते हुए आगे बढ़ा। इसके बाद गायत्री मंदिर तट स्थित सीएमआई माइका कम्पनी के बड़ा तालाब पहुंचा, जहाँ विधि विधान और नम आँखों के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

इस धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान को सफल बनाने में पूजा समिति के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों की अहम भूमिका रही। इस पावन अवसर पर पूजा कमिटी के अध्यक्ष किशोरी साव, चंदेरी सार्वजनिक प्राचीन मंदिर के अध्यक्ष राजकुमार दयाल,पंकज साह, प्रवीण सिंह, अजय रजक, मनोज पांडेय, राजेन्द्र पांडेय, रमेश पांडेय, प्रदीप पांडेय और कुपाल साह सहित दर्जनों की संख्या में गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर शांतिपूर्ण और भव्य तरीके से विसर्जन संपन्न कराया, जिससे क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भक्ति की एक अनूठी मिसाल देखने को मिली।

इनरव्हील क्लब, बोधगया के डांडिया उत्सव में खूब झूमे बोधगया के लोग

- विधायक कुमार सर्वजीत ने महिला सशक्तिकरण में क्लब की भूमिका को सराहा, होली मिलन समारोह आयोजित करने का दिया सुझाव**

रफ्तार मीडिया/ गयाजी प्रभात सिन्हा

बोधगया:: विजयादशमी के अवसर पर इनरव्हील क्लब ऑफ बोधगया की ओर से आयोजित डांडिया नाइट उत्सव में बोधगया के लोगों ने जमकर धमाल

मचाया। शाम सात बजे शुरू हुआ यह उत्सव रात दस बजे तक चला। इस दौरान महिलाओं ने डांडिया की धुन पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया और मां अम्बे की आराधना की।

कार्यक्रम में बोधगया के विधायक एवं पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत ने इनरव्हील क्लब ऑफ बोधगया के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह क्लब महिला सशक्तिकरण की मिसाल है। संस्था की ओर से आयोजित डांडिया उत्सव महिलाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जहां वे पर्व-त्योहार के अवसर पर एक



साथ मिलकर उत्साह और उमंग के साथ मां अम्बे की आराधना कर सकती हैं।

उन्होंने क्लब के सदस्यों को

होली के अवसर पर भी होली मिलन समारोह आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि बोधगया की महिलाओं को रंगोत्सव का आनंद उठाने का अवसर मिल सके।

वहीं, रोटरी क्लब ऑफ बोधगया के चेयरमैन विक्की कुमार ने कहा कि इनरव्हील क्लब ऑफ बोधगया समाजसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही संस्था महिलाओं को पर्व-त्योहार के मौके पर मनोरंजन और आपसी मेलजोल के लिए भी बेहतर मंच उपलब्ध कराती है।

इस अवसर पर विधायक कुमार सर्वजीत एवं उनकी पत्नी सीमा देवी को खादा और बुके देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में इनरव्हील क्लब ऑफ बोधगया की संस्थापक संगीता शरण, चार्टर प्रेसिडेंट सरिता वर्मा, अध्यक्ष प्रेमशिला मेहता, पूर्व अध्यक्ष डॉ. वीणा पाठक, वीणा सिन्हा, गोपा सिन्हा, अर्चना कुमारी, रीमा देवी, आशा सिंह, अंजू, सुषमा प्रसाद, रीना प्रसाद, खुशबू, सरिता श्रीवास्तव, सुमेरा गुप्ता, सोनी, रेणु, उषा सहित क्लब की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

माँ दुर्गा की चैतन्य झांकी का भव्य समापन

बीके लक्ष्मी बहन ने दिया विकारों रूपी रावण को जलाने का संदेश

- विजयादशमी पर आध्यात्मिक संदेश से गुंजा टाटीसिलवे, काम, क्रोध, लोभ और अहंकार जैसे विकारों पर विजय पाने का किया आह्वान**



ओरमांडी। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर आयोजित चार दिवसीय माँ दुर्गा की चैतन्य झांकी का विजयादशमी के दिन श्रद्धा, उमंग और आध्यात्मिक उल्लास के साथ भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश देते हुए संस्थान की बीके लक्ष्मी बहन ने कहा कि सच्ची विजयादशमी तभी सार्थक होगी, जब मनुष्य अपने भीतर छिपे विकारों रूपी रावण का अंत करेगा। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में चंपा देवी, समाजसेवी मुकेश और मोतीलाल भाई उपस्थित रहे।

बीके लक्ष्मी बहन ने विजयादशमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि प्रत्येक वर्ष रावण के पुतले का दहन किया जाता है, लेकिन मनुष्य के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार और ईर्ष्या जैसे विकार आज भी मौजूद हैं। इन बुराइयों को समाप्त करना ही विजयादशमी का वास्तविक संदेश है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने अंदर की नकारात्मकता पर विजय प्राप्त करेगा, तभी समाज में सकारात्मकता, शांति और सद्भाव का वातावरण स्थापित होगा।

उन्होंने माँ दुर्गा के शक्तिस्वरूप की महिमा बताते हुए कहा कि माँ दुर्गा हमें बुराई पर अच्छाई, अज्ञान पर ज्ञान और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय की प्रेरणा

देती हैं। आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मंडिटेशन के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने जीवन में शांति, पवित्रता और दिव्य गुणों को धारण कर सकता है।

चार दिनों तक उमड़ा श्रद्धालुओं का उत्साह चार दिवसीय चैतन्य झांकी के दौरान माँ दुर्गा के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आकर्षक सजावट, भक्तिमय वातावरण और बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। श्रद्धालुओं ने झांकी के दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

नम आंखों से मां दुर्गा को दी विदाई



- एसएसबी 26वीं वाहिनी में दुर्गा पूजा समारोह संपन्न**

संवाददाता – बबलु मुशताक ...

अनगड़ा : 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), अनगड़ा रांची में कमांडेंट शाश्वत कुमार आईपीएस के नेतृत्व में आयोजित दुर्गा पूजा समारोह का समापन श्रद्धा और भक्तिभाव के बीच हुआ। इस अवसर पर वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर सभी के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। समारोह के समापन पर कमांडेंट शाश्वत कुमार सहित सभी अधिकारियों और जवानों ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी।माता रानी के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष मां दुर्गा के पुन: आगमन की मंगलकामना करते हुए भावपूर्ण विदाई दी।इसके बाद धार्मिक परंपराओं और विधि-विधान के अनुसार मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान वाहिनी के सभी कार्मिकों ने बल की निरंतर प्रगति, जवानों और उनके परिवारों की सुख-समृद्धि तथा देश की शांति और सुरक्षा के लिए मां दुर्गा से आशीर्वाद मांगा।कमांडेंट शाश्वत कुमार के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह ने अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों के बीच आपसी भाईचारे, एकता और सामूहिक सहभागिता की भावना को मजबूत किया। मां दुर्गा की विदाई के साथ समारोह का समापन श्रद्धा, विश्वास और अगले वर्ष माता रानी के पुन: आगमन की उम्मीद के साथ हुआ।

लातेहार में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान-2026 का शुभारंभ, 31 दिसंबर तक लगेंगे विशेष शिविर

- पात्र लाभुकों को बैंकिंग सेवाओं, बीमा, पेंशन और किसान क्रेडिट कार्ड योजनाओं से जोड़ने की पहल**

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार। जिले में वित्तीय सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को उपयुक्त संदीप कुमार ने वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान-2026 का शुभारंभ किया। यह अभियान 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं शहरी स्थानीय निकायों में संचालित किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न बैंकों के माध्यम से विशेष

शिविर लगाकर लोगों को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

अभियान के दौरान प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत नए बैंक खाते खोले जाएंगे। वहीं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के तहत पात्र लाभुकों का नामांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैंक खातों में आधार सीडिंग, निष्क्रिय खातों को सक्रिय करने तथा खातों का पुन: केवाईसी कराने जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत आवेदन प्राप्त करने और लंबित आवेदनों के निष्पादन के लिए भी आवश्यक पहल की जाएगी। साथ ही बचत खातों एवं



लॉकरों में नामांकन संबंधी विवरण को अद्यतन करने, केंद्रीय केवाईसी संख्या बनाने तथा लंबे समय से निष्क्रिय और बिना दावे वाले बैंक खातों, बीमा एवं शेयर से संबंधित राशि के निपटान में लोगों को सहायता प्रदान की जाएगी।

अभियान के तहत आम नागरिकों को वित्तीय समावेशन

योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग वित्तीय सेवाओं से जुड़कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

इस अवसर पर उपयुक्त संदीप कुमार ने संबंधित अधिकारियों

एवं बैंक प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से अपने नजदीकी वित्तीय समावेशन शिविर में पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ लेने और विभिन्न वित्तीय योजनाओं से जुड़ने की अपील की।

मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक (एलडीएम) नरेंद्र श्रीवास्तव, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (डीआईओ) ओमेंद्र सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्रामीण खिलाड़ियों को मिली फुटबॉल और वॉलीबॉल की सौगात

संवाददाता– बबलु मुशताक

अनगड़ा : ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और युवाओं को खेलकूद के प्रति जागरूक करने की पहल के तहत बुधवार को खिजरी विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से अनगड़ा प्रखंड की सिरका पंचायत के तीन गांवों में खेल सामग्री का वितरण किया गया।गांधीग्राम, महेशपुर और सलगा टुंगरी के ग्रामीण खिलाड़ियों को खेल के लिए गेंदें उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान सिरका पंचायत अध्यक्ष समीम खान खिलाड़ियों के बीच पहुंचे और उनका उत्साहवर्धन किया।महेशपुर और सलगा टुंगरी के खिलाड़ियों को फुटबॉल, जबकि गांधीग्राम के खिलाड़ियों को वॉलीबॉल प्रदान की गई। खेल सामग्री मिलने से ग्रामीण खिलाड़ियों में उत्साह देखने को मिला। इससे उन्हें नियमित अभ्यास करने और अपनी खेल प्रतिभा को



निखारने में मदद मिलेगी।खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए समीम खान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित संसाधन और अवसर उपलब्ध करने की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही खिलाड़ियों को फुटबॉल और वॉलीबॉल नेट भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे बेहतर तरीके से अभ्यास कर सकें और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त कर सकें।इस पहल का उद्देश्य गांवों में खेल संस्कृति को मजबूत

करना, युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना और स्थानीय स्तर पर उभरती खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है।खेल सामग्री उपलब्ध होने से खिलाड़ियों को अभ्यास में सहूलियत मिलेगी तथा प्रतियोगिताओं की तैयारी करने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में रांची जिला ग्रामीण सोशल मीडिया समन्वयक कुलेश्वर मुंडा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। ग्रामीण खिलाड़ियों ने इस पहल को उत्साहवर्धक बताते हुए खेल सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद जताई।

नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई, जयकारों के बीच निकला विसर्जन जुलूस

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। ढोल-नगाड़ों की गूंज, मां दुर्गा के जयकारों और नम आंखों के बीच मंगलवार को बालूमाथ में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मां को विदाई देने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु विसर्जन जुलूस में शामिल हुए। भक्तों ने अगले वर्ष फिर आने की कामना के साथ मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी।

प्रखंड मुख्यालय स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति की प्रतिमा का विसर्जन जुलूस दुर्गाबाड़ी से निकाला गया। जुलूस थाना चौक, बाजार टांड और मस्जिद होते हुए परंपराानुसार चैताग स्थित राजपरिवार के आवास पहुंचा। यहां जुलूस का स्वागत किया गया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की गई। राजा के वंशज रंजीत लाल नाथ शाहदेव के आवास पर श्रद्धालुओं के बीच खीर का वितरण किया गया।

वहीं, आदर्श नगर दुर्गा



पूजा समिति का विसर्जन जुलूस भी चैताग पहुंचा। इसके बाद सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति और आदर्श नगर समिति का संयुक्त जुलूस नगर भ्रमण करते हुए मुरपा मोड़ के रास्ते छठ तालाब पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

पुलिस अधिकारियों को चुनरी ओढ़ाकर किया सम्मानित विसर्जन के अवसर पर पूजा समिति की ओर से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी उमेश कुमार सिंह, थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा,

एसआई गौतम कुमार, देवेंद्र सिंह और धीरज सिंह को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। पूजा के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग के लिए पुलिस अधिकारियों के प्रति आभार जताया गया।

बालूमाथ के अलावा शेरगड़ा, मुरपा, भैंसादोन, झाबर और आरा सहित प्रखंड के विभिन्न गांवों में भी मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। शेरगड़ा में कलाकार माही मनीषा के कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसका उपस्थित लोगों ने आनंद उठाया।

दुर्गा मंदिर पूजा करने गई वृद्ध महिला झुलसी, श्रद्धालुओं ने आनन-फानन में सीएचसी गांडेय पहुंचाया

राजु मंडल रफ्तार मीडिया संवाददाता गांडेय

गांडेय बाजार स्थित दुर्गा मंदिर परिसर मे मंगलवार की सुबह को एक बुर्जग महिला आग से झुलस कर घायल हो गईं। मंदिर परिसर मे उपस्थित श्रद्धालुओं की मदद से आनन - फानन मे महिला को निजी वाहन से गांडेय सीएचसी पहुंचाया। सीएचसी मे महिला का इलाज डाक्टरों की निगरानी मे किया गया।

घायल महिला की पहचान चतरा जिला के प्रतापपुर प्रखंड के कौरा गांव निवासी 70 वर्षीय मसोमात निर्मला देवी के रुप मे की गई है।

वर्तमान समय मे महिला का इलाज डाक्टरों की निगरानी मे जारी है। बता दे कि उक्त महिला पिछले तीन वर्षो से अपने बेटी के घर अहिल्यापुर मे रह रही थी। वह दुर्गा पूजा त्योहार मनाने अपने बहन के घर गांडेय पहुंची हुई थी। मंगलवार को उक्त महिला अपने परिजनो के साथ दुर्गा मंदिर पूजा करने पहुंची थी, वह



पूजा करने के बाद मंदिर बाहर निकलकर अगरबत्ती जला रही थी, इसी क्रम मे उक्त जगह पूर्व से जल रहे दीपक से महिला साड़ी मे आग पकड लिया जिससे महिला घायल हो गई।

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

उपायुक्त संदीप कुमार और एसपी कुमार गौरव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर किया नमन, शहीद परिवारों को किया सम्मानित

रफ्तार मीडिया लातेहार

लातेहार। पुलिस लाइन, लातेहार में बुधवार को पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर परेड एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश की सेवा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस एवं प्रशासन

के पदाधिकारियों और जवानों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को नमन किया। शहीद जवानों का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को याद करने का दिन है। शहीद जवानों का साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।



उनके त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का

निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए।

शहीदों के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प पुलिस अधीक्षक कुमार



गौरव ने कहा कि पुलिस संस्मरण दिवस उन वीर जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा,

शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण हमेशा स्मरणीय

रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य को ईमानदारी, जिम्मेदारी और पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। आम नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शहीद परिवारों को अंगवस्त्र एवं उपहार देकर किया सम्मानितकार्यक्रम के दौरान उपायुक्त संदीप कुमार और पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शहीद पुलिसकर्मियों

के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनके प्रति सम्मान और संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर शहीद परिवारों को अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने राष्ट्र की सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर पुलिसकर्मियों के त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को सदैव याद रखने तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

पुलिस स्मृति दिवस पर सीआरपीएफ जवानों की शहादत को किया गया नमन

■ **गया जी में 47वीं बटालियन सीआरपीएफ ने शहीद जवानों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि**
रफ़्तार मीडिया/ गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जी:: पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को 47वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की ओर से गया जी स्थित जेल कॉम्प्लेक्स परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के वीर



जवानों को याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व बटालियन के कमांडेंट अवधेश कुमार ने किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं जवानों ने शहीदों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र

के प्रति उनके सर्वोच्च समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर

1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीनी सैनिकों के हमले का मुकाबला करते हुए सीआरपीएफ के 10 जवान शहीद हो गए थे। उन्हीं वीर जवानों की शहादत की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया

जाता है। यह दिन देश की सुरक्षा में शहीद हुए पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रतीक है।

इस अवसर पर बटालियन के कमान अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी अनिल कुमार सिंह, उप कमांडेंट पंकज कुमार सहित अन्य अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने शहीदों के साहस, त्याग और देश के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के माध्यम से जवानों ने राष्ट्र की सेवा, सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के अपने संकल्प को भी दोहराया।

शिकारीपाड़ा सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में महासमारोह: काशी की तर्ज पर भव्य गंगा आरती के बाद नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई।

शिकारीपाड़ा/दुमका/ललित कुमार पाल/

शिकारीपाड़ा के ऐतिहासिक सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में इस वर्ष दुर्गा पूजा का पर्व अत्यंत भव्य और उत्साह के साथ मनाया गया। महानवमी की रात्रि से लेकर विजयादशमी के विसर्जन तक आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। सार्वजनिक दुर्गा मंदिर परिसर में महानवमी की मंगलवार रात्रि को वाराणसी की तर्ज पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। काशी से विशेष रूप से पधारे आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरती संपन्न कराई गई, जिससे



पूरा परिसर वाराणसी के गंगा घाट जैसा प्रतीत होने लगा। इस शांतिपूर्ण व भव्य आयोजन को सफल बनाने में प्रखंड विकास पदाधिकारी मो एजाज आलम, अंचलाधिकारी कपिल देव ठाकुर, थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा, भारी पुलिस बल और सार्वजनिक दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया।

इसके अगले दिन विजयादशमी के शुभ अवसर पर बुधवार को मंदिर में मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से संपन्न हुई। पूजा के बाद श्रद्धालुओं ने परंपरा के अनुसार जतरा बंधवाया और महिलाओं ने पारंपरिक 'सिंदूर खेला' में हिस्सा लेते हुए एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सुहागन रहने की कामना की। अंत में विधि-विधान के साथ मां की बारी विसर्जन की प्रक्रिया शुरू हुई। विसर्जन यात्रा मंदिर से निकलकर मुख्य बाजार से होते हुए बड़ा तालाब पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बारी विसर्जन किया गया। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं और सभी ने मां को भावुक विदाई देते हुए अगले वर्ष फिर से आने की कामना की।

दुधिया में दर्दनाक सड़क हादसा: बेटी की शादी का कार्ड बांटने निकले मो. रज्जाक अंसारी की मौत, खुशियां मातम में बदलीं



गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: धनबाद के बलियापुर थाना क्षेत्र के दुधिया में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने हंसते-खेते परिवार को उजाड़ कर रख दिया। हादसे में गंभीर रूप से

घायल हुए मो. रज्जाक अंसारी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांव और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। शादी की खुशियां पलभर में मातम में तब्दील **जानकारी** के मुताबिक, मृतक मो. रज्जाक अंसारी गोविंदपुर के बस्तीपुर के रहने वाले थे और दीवारों पर रंग-पुट्टी (पेंटिंग) का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। **रज्जाक** अंसारी के एक पुत्र और चार पुत्रिया हैं। **उनकी** तीसरी पुत्री की शादी तय थी और वे घर से उसी शादी का

कार्ड (आमंत्रण) बांटने के लिए निकले थे। किसे पता था कि जिस बेटी के हाथ पीले करने की वे तैयारियां कर रहे हैं, उसी शादी से ठीक पहले यह वज्रापात हो जाएगा। इस अप्रत्याशित घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे घर में कोहराम मचा हुआ है। अस्पताल ले जाने के दौरान हुआ निधन **हादसे** के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने अनुकरणीय तत्परता दिखाते हुए गंभीर रूप से घायल मो. रज्जाक अंसारी को बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति

को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, धनबाद रेफर कर दिया था। अस्पताल में इलाज के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही बलियापुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई और जांच शुरू कर दी है। हालांकि, यह भीषण सड़क हादसा किन परिस्थितियों और किस वाहन की चपेट में आने से हुआ, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने आनी बाकी है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

अगले वर्ष जल्दी आना मां, नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई

■ **आरआर स्पोर्टिंग क्लब की भव्य विसर्जन शोभायात्रा में ताशा पार्टी और आतिशबाजी रही आकर्षण का केंद्र**
सौरभ राय/रफ़्तार मीडिया

रांची:राजधानी रांची में विजयादशमी के साथ नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्र महोत्सव का समापन हो गया। इस अवसर पर मां दुर्गा को विदाई देने के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम नजर आईं। रातू रोड स्थित आरआर स्पोर्टिंग क्लब की ओर से पूजा प्रांगण से भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने 'अगले वर्ष जल्दी आना मां' के जयकारों के साथ मां दुर्गा को विदाई दी। विसर्जन शोभायात्रा में रामगढ़ से मंगाई गई ताशा पार्टी मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। वहीं, डीजे की धुन पर समिति के सदस्य जमकर थिरकते नजर आए। शोभायात्रा जब शहर के अल्बर्ट एक्का चौक पहुंची, तो वहां जमकर आतिशबाजी की गई। इस दौरान उत्सव का माहौल देखने को मिला। मां दुर्गा की विदाई के साथ ही श्रद्धालुओं के चेहरों पर



खुशी और आंखों में बिछड़ने का गम साफ झलक रहा था।

■ **मां की विदाई पर भावुक हुए श्रद्धालु**
आरआर स्पोर्टिंग क्लब के मुख्य संरक्षक विक्की यादव ने कहा कि विसर्जन की बेला में अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद मां दुर्गा का आगमन होता है। ऐसे में जब मां की विदाई का समय आता है, तो भक्तों की आंखें नम हो जाती हैं। मां के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाएं इस अवसर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं।
■ **माँ के आशीर्वाद से इस वर्ष भी पूजा का आयोजन सफलतापूर्वक हो पाया**
समिति के अध्यक्ष राहुल



यादव ने कहा कि मां दुर्गा के आशीर्वाद से इस वर्ष भी पूजा का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा प्रांगण में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। केवल पांच दिनों तक ही नहीं, बल्कि पूरे नौ दिनों तक प्राचीन मंदिर परिसर में भी भक्तों ने मां दुर्गा के दर्शन किए और अपनी मनोकामनाएं मांगीं। उन्होंने कहा कि विसर्जन के समय सभी के चेहरों पर उदासी है,

लेकिन उन्हें विश्वास है कि मां दुर्गा अगले वर्ष फिर आएंगी और अपने साथ सुख-समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आएंगी। वहीं, आरआर स्पोर्टिंग क्लब के कोषाध्यक्ष रोहित यादव ने मां दुर्गा से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की कामना की। उन्होंने कहा कि मां के आशीर्वाद से भविष्य में भी इसी तरह भव्य और श्रद्धापूर्ण पूजा का आयोजन किया जाता रहेगा।

मांडर में 51 फीट के रावण का दहन, जयकारों के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

रफ़्तार संवाददाता मांडर।

मांडर और चान्हो क्षेत्र में विजयादशमी का त्योहार धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मांडर के सोसई मैदान में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी और मांडर थाना प्रभारी मनोज करमाली ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद करीब 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। रावण दहन देखने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। इससे पहले हुई आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही।



वहीं, बुधवार को मांडर और चान्हो क्षेत्र के विभिन्न पूजा स्थलों से मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

मां दुर्गा के जयकारों

से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मांडर स्थित शिव मंदिर से निकली शोभायात्रा एनएच-39 होते हुए मांडर चौक से मिशन चौक पहुंची। इसके बाद शोभायात्रा वापस मांडर चौक लौटी, जहां से मां दुर्गा की प्रतिमा को मांडर तालाब में विसर्जित किया गया। इसी तरह सोसई महावीर मंदिर से

निकली शोभायात्रा सोसई से होते हुए मिशन चौक पहुंची। **इसके** बाद श्रद्धालु वापस सोसई लौटे, जहां विचारखो नदी में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालु भक्ति और उत्साह में डूबे रहे। विजयादशमी के साथ ही क्षेत्र में दुर्गा पूजा का समापन श्रद्धा और उल्लास के माहौल में हुआ।

सोन बिरह बूढ़ी जतरा में उमड़ा जनसैलाब, भाजपा नेता राहुल देव उरांव हुए शामिल

रफ़्तार मीडिया

ओरमांडी। प्रखंड क्षेत्र के ईरबा में आयोजित सोन बिरह बूढ़ी जतरा में भाजपा नेता सह बर्लिन पब्लिक स्कूल के निदेशक राहुल देव उरांव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जतरा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जतरा झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने



और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक जतरा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज के लोगों

को आपस में जोड़ने, आपसी भाईचारा बढ़ाने और अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करती है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी परंपराएं जीवंत बनी रहती हैं।
जतरा में स्थानीय लोगों की भागीदारी रही। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य कमिशनर मुंडा, बाबूलाल महली, मेराज अंसारी, बिनीता कुजूर, रवि मुंडा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

छावनी फुटबॉल ग्राउंड में रामगढ़ कैंट दशहरा समिति का ऐतिहासिक आयोजन, रावण दहन के साथ भजन संध्या में उमड़ा जनसैलाब

रिपोट डीके राठौर

रामगढ़। असत्य पर सत्य, अधर्म पर धर्म और अहंकार पर मर्यादा की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पावन पर्व रामगढ़ में इस वर्ष ऐतिहासिक उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। स्थानीय छावनी फुटबॉल ग्राउंड में रामगढ़ कैंट दशहरा समिति की ओर से भव्य रावण दहन सह संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में उमड़े



श्रद्धालुओं और शहरवासियों की मौजूदगी ने पूरे मैदान को आस्था, भक्ति और उत्सव के रंग में रंग दिया। आतिशबाजी, भक्तिमय संगीत और गगनभेदी जय श्रीराम के नारों के बीच रावण दहन का

कार्यक्रम संपन्न हुआ। **समारोह** की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रंजन सिंह ने की। कार्यक्रम का संयुक्त रूप से सफल संचालन रामगढ़ की समाजसेविका कमल बगड़िया एवं

रीना साह ने किया। आयोजन में रामगढ़ के कई गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं राजनीतिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में रामगढ़ के पूर्व विधायक शंकर चौधरी उपस्थित रहे। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रणजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

संपादकीय

दलेर और बिच्छू की दुम तोड़ने का दम रखने वाला उत्तराखंड

थोथी सफलता जब ओछी मानसिकता में बदल जाए, तब वह भी होता है, जो दलेर मेहंदी के साथ उत्तराखंड में हुआ। वह कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा वाले अंदाज में तथाकथित रूप से प्रसिद्ध गायक बन गए। फिर अहंकार में यूं तन गए कि कबूतरबाजी के संगीन आरोप से घिर गए।फिर जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते फिरे। अब 'जाम' के चलते एक बार

फिर उनकी दुर्गाति हो रही है। ये महाशय उत्तराखंड के एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने की बजाय अपनी औकात की नुमाइश कर गए। मंच पर आए तो शरीर में शराब का सुरूर और खुद के दलेर मेहंदी होने का गुरुर उनके ऊपर हावी था। उन्हें गुमान था कि मंच पर अपनी शक्ल दिखाकर ही वह लोगों को निहाल कर देंगे। मगर खुद निढाल थे और आयोजकों ने उनकी वह खबर ली, जो खबरों में सुखीं बन चुकी है।

गुरुर के मगरूर होने का यह हथ्र मीका सिंह भी झेल चुके हैं। इसलिए आज जब मीका अपने हरकतों वाले सहोदर दलेर का बचाव कर रहे हैं, तब कहीं न कहीं 'चोर-चोर मौसेरे भाई' वाली बात याद आ ही जा रही है। शराब कोई गुनाह नहीं है। कालजयी रचनाकार नीरज जी से लेकर अनेक लोगों के लिए यह सर्वविदित रहा कि वह सुरूर में ही मंच पर आते थे। मगर क्या कभी भी उन्होंने दलेर जैसी टुच्ची हरकत की? मिर्जा गालिब शराब के शौकीन कहे गए।फिराक गोरखपुरी साहब के लिए भी बदाकशी के

अनंत किस्से हैं। सच यह भी कि दलेर जैसे दो कौड़ी के शख्स के मुकाबले में इन विभूतियों का जिक्र हलुए और मल को एक ही तराजू पर तौलने जैसा है। मगर वह उल्लेख इसलिए कि दलेर जैसे लोग इस बात को जिंदगी में कभी भी नहीं समझ सकेंगे कि सुरूर से होने वाला सकारात्मक सृजन सही अर्थ में क्या होता है और दारू सहित ड्रैग के नशे में धुत होकर अपनी हैसियत भूलने का मतलब क्या है।

उत्तराखंड के उस मंत्री को साधुवाद, जिन्होंने दलेर के मुंह पर उनकी बेइज्जती की। यह बता दिया कि कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो जाए, लेकिन मयार्दा के उल्लंघन के बाद उसका चारित्रिक बौनापन ही सामने आ जाता है। वस्तुतः इस मामले में बौनापन को घटियापन ही कहा जाना चाहिए। सिख समुदाय के उन सज्जन का भी विनम्र अभिवादन, जिन्होने दलेर के थोथे महिमा मंडल के आगे दिलेरी दिखाते हुए उसे उसकी औकात याद दिला दी। बाकी दलेर महाशय! ये उत्तराखंड वही जगह है, जहां बिच्छू की पूँछ तोड़कर उसे उसकी असलियत पर ला दिया जाता है। अब भी समय है कि अपनी औकात पर आ जाइए। वरना आपकी 'मस्ती भरी रात है' कब अनंतकाल वाली अमावस में बदल जाएगी, यह आपको भी पता नहीं चलेगा। लोग आपको पाजी कहते हैं । यकीनन यह पंजाबी का पवित्र संबोधन है, लेकिन उत्तर भारत में इसका एक अलग स्वरूप भी होता है, 'पागल।' यह याद रखिए और जरा होश में रहना सीख जाइए।



लोक मुद्दा

सीजेपी के विरोध में 'लाल हिट जनता पार्टी का उदय'

'लाल हिट जनता पार्टी का उदय फिलहाल सीजेपी के विरोध में एक नई संगठनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल आगे किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसे चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि यह मुकाबला केवल आरोपों, उत्तेजक नारों और भीड़ जुटाने की प्रतिस्पर्धा तक सीमित रहा, तो लोकतंत्र के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएंगे।



सौरभ वार्ण्य

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, सरकार समर्थक और सरकार विरोधी, तथा अलग-अलग सामाजिक समूहों को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। किसी आंदोलन को केवल उसके विरोधियों की नाराजगी के आधार पर गलत नहीं कहा जा सकता और किसी विरोधी संगठन को केवल उसके नाम या राजनीतिक झुकाव के आधार पर खारिज करना भी उचित नहीं है।

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपक से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले 'लाल हिट जनता पार्टी' नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए। 'लाल हिट जनता पार्टी' के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करना और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन दल के फैसलों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए।लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनैतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है। इस दृष्टि से 'लाल हिट जनता पार्टी' का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी

संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोकना नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समाप्त करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्कों से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है।मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शन के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसीटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं। एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निंदोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है।अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल



एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं।यदि सीजेपी और 'लाल हिट जनता पार्टी' के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्क समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस

में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शनों की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं। हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय विषयों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है।इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है। अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलुकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि 'लाल हिट जनता पार्टी' वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा। केवल किसी विरोधी संगठन के खिलाफ खड़ा होना स्थायी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

लोक विचार

सुनहु तात अब राम कहानी



रचितश्रीरामचरितमानसमें श्रीराम कथा के मुख्य चार कथावाचक और श्रोताओं हैं। इसमें शिवजी-पार्वती जी,काकभूशुण्डि जी- गरुड़ जी, याज्ञवल्क्य जी और भारद्वाज जी, गोस्वामी तुलसीदास जी और जनप्रमुख हैं। प्रथम भगवान शिवजीने पार्वती जी को श्रीराम की कथा सुनाई। श्रीरामचरितमानस के बालकाण्ड में गोस्वामी जी लिखते हैं कि-

सोइ मम इष्टदेव रघुबीरा।

सेवत जाहि सदा मुनि धीरा॥

अर्थातभगवान श्रीराम ही शिवजी के इष्टदेव हैं, जिनकी सेवा और उपासना मुनि तथा ज्ञानीजन सदा करते हैं। श्रीरामचरितमानसमें शिवजी पार्वती जी की प्रशंसा करते हुए कहते हैं-

धन्य धन्य गिरिराज कुमार।

तुम समान नहीं कोउ उपकारी॥

पूछहु रघुपति कथा प्रसंगा।

सकल लोक जग पावनि गंगा।।

अर्थात है पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती। तुम धन्य हो, अत्यंत धन्य हो। तुम्हारे समान उपकार करने वाला कोई नहीं है। क्योंकि आपने प्रेमपूर्वक रामकथा सुनने की इच्छा प्रकट की है।जिससे मुझे पुनः श्रीराम के गुणों

का वर्णन करने का सुअवसर मिला।

दूसरे प्रसंग मेंकाकभूशुण्डि जी ने गरुड़ जी को श्रीरामकथा सुनाई। गोस्वामी जी लिखते हैं कि-

सुनहु तात अब राम कहानी।

जहि सुनि मिटहि जगत के ग्लानी॥

अर्थात काकभूशुण्डि जी गरुड़ जी से कहते हैं कि हे तात ! अब आप रामकथा सुनिए, जिसे सुनकर संसार के सारे कष्ट, दुख मिट जाते हैं और परम सुख की प्राप्ति होती है। तीसरे प्रसंग में श्रीरामचरितमानस के आरंभ में तुलसीदास जी बताते हैं कि याज्ञवल्क्य जी ने भारद्वाज जी को रामकथा सुनाई।

तेहि सन जगबलिक पुनि पावा।

तिन्ह पुनि भरद्वाज प्रति गावा॥

ते श्रोता बकता समसीला।।

सर्वंदरसी जानहि हरिलीला।।

अर्थात याज्ञवल्क्य जी ने यह रामकथा प्राप्त की और फिर उसे भारद्वाज जी को सुनाया।ये वक्ता और श्रोता दोनों ही समान स्वभाव वाले, समदर्शी और हरि की लीला के मर्म को जानने वाले हैं। तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में रामकथा का वर्णन किया और उसे भक्तों तथा सामान्य जनों तक पहुंचाया। गोस्वामी जी लिखते हैं कि-

संभु प्रसाद सुमति हिर्यं हुलसी।

रामचरितमानस कवि तुलसी॥

करइ मनोहर मति अनुहारी।

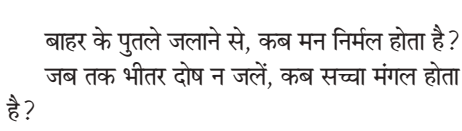
सुजन सुचित सुनि लेहु सुधारी।।

अर्थातभगवान शिव की कृपा से मेरे हृदय में सुबुद्धि का विकास हुआ और जिससेश्रीरामचरितमानस का कवि बन सका। मैं अपनी बुद्धि के अनुसार तो इसे मनोहर बना रहा हूँ, लेकिन फिर भी हे सज्जनों! आप इसे सुंदर चित्त से सुनकर जहाँ कहीं कोई कमी हो, उसे सुधार लीजिए।

भीतर का रावण जलाना है दशहरे का शाश्वत संदेश

हर वर्ष रावण जलता है, फिर क्यों तम घिर आता है?

क्यों मन का अहंकार हमारा, और अधिक इतराता है?



बाहर के पुतले जलाने से, कब मन निर्मल होता है? जब तक भीतर दोष न जलें, कब सच्चा मंगल होता है?

नारी को सम्मान मिले, हर बेटी निर्भय मुस्कए, वृद्धजनों के सुने जीवन में, अपनत्व के दीप जल जाएँ।

बच्चों को संस्कार मिलें, आचरण बने उपदेश, प्रेम, दया, सद्भाव से महके, अपना घर-परिवेश।

जाति-धर्म के भेद मिटें, मानवता का मान रहे, रिश्तों में विश्वास खिले, हर हृदय में सम्मान रहे।

क्रोध, कपट, अभिमान जलें, मिट जाए मन का अधिारा,

हर आँगन में राम बसें, हर मन हो प्रेम का द्वारा।

रावण बाहर नहीं, अपने भीतर ही जलाना है, दशहरे के पावन पर्व पर, सच्चा राम जानना है।

मृत्युंजय कुमार मिश्र ‘ स्नेहिल ‘

20 . 10 . 2026

मौलिक रचना

सर्वाधिकार सुरक्षित

पवन सिंह बोले- हीरोइन को छूने में हाथ कांपते थे

अब लड़कियों से कम बात करता हूं; 3 दिन पहले अक्षरा से मंच से मांगी थी माफी

पटना। भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार कहे जाने वाला पवन सिंह एक बार फिर से चर्चे में हैं। हाल ही में उन्होंने भरी मंच से अक्षरा सिंह से माफी मांगी थी। अब राइज एंड फॉल सीजन 2 में पावर स्टार पवन सिंह की धमाकेदार एंट्री हुई है।

शो का नया प्रोमो सामने आया है जिसमें पावर स्टार की एंट्री होती है। वो पेटहाउस में एंट्री करते हैं। पावर स्टार ने आते ही अपने हिट ट्रैक राजा जी और आई नहीं पर डांस किया।

पवन सिंह के साथ विदेशी हसीना इरीना ने जमकर ठुमके लगाए। पवन सिंह की इरीना सग मस्ती की। इरीना ने भोजपुरी डायलॉग भी बोला।

पवन सिंह पेटहाउस के बाद बेसमेंट में वर्कस के साथ भी वक बिताया। उन्होंने वहां बताया कि पहले वो हीरोइन का हाथ पकड़ने से घबराते थे। उनके हाथ कांपते थे, लेकिन आज वो कॉन्फिडेंट है।

हाल ही में पवन सिंह ने अक्षरा से मांगी थी माफी

नवरात्र के दौरान बिहार के मुंगेर में एक कार्यक्रम के दौरान अक्षरा सिंह का जिक्र होने पर पवन सिंह ने मंच से कहा, «अक्षरा सिंह मेरा बाबू है, मेरा बच्चा है... उनके पिताजी हमारे भइया हैं, उनकी माताजी मेरी भाभी हैं। मैंने सारी बोला ना... अब एक बार चारों तरफ ताली बजाओ!»

उनकी इस टिप्पणी के बाद पंडाल में मौजूद दर्शकों ने तालियां बजाकर प्रतिक्रिया दी। पवन सिंह के इस बयान ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा और दोनों कलाकारों को लेकर चर्चा शुरू हो गई। इधर यूजर्स अब तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि अब ज्योति भाभी का क्या होगा।



दर्शकों से पूछा- कौन चाहता है हमारी जोड़ी फिर बने?

पवन सिंह ने दर्शकों से पूछा कि कौन-कौन चाहता है कि अक्षरा सिंह और उनकी जोड़ी फिर से एक साथ नजर आए। इस पर बड़ी संख्या में लोगों ने हाथ उठाकर और तालियां बजाकर अपनी इच्छा जाहिर की।

दर्शकों के उत्साह को देखते हुए पवन सिंह ने अक्षरा सिंह के साथ दोबारा नजर आने और साथ में कार्यक्रम करने की संभावना के संकेत दिए।

अक्षरा सिंह की पवन सिंह की लाइफ में एंट्री पहली पत्नी के जाने के बाद पवन सिंह अकेले पड़ गए। तभी उनकी लाइफ में एक्स्ट्रेस अक्षरा सिंह की एंट्री हुई। अक्षरा और पवन के अफेयर की चर्चाएं जोर-शोर से होने लगीं। एक समय ऐसा भी आया कि पवन सिंह अक्षरा से शादी करने वाले हैं। लेकिन, अचानक अक्षरा सिंह ने पवन सिंह पर धोखा देने का आरोप लगाया। दरअसल, दोनों की ऑनस्क्रीन

केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद थी, लेकिन ऑफ स्क्रीन उनका रिश्ता कड़वाहट में बदल गया। शुरुआत में दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। अक्षरा सिंह ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह बहुत कम उम्र में पवन सिंह से मिली थीं और उन्हें बेहद सम्मान देती थीं।

दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया। जिससे उनके बीच नजदीकियां बढ़ती चली गईं। अक्षरा को लगने लगा था कि पवन ही उनके जीवनसाथी बनेंगे।

एक वक्त में पवन सिंह और अक्षरा सिंह के अफेयर की चर्चाएं जोर-शोर से होती थी।

लेकिन, ब्रेकअप के बाद अक्षरा पूरी तरह टूट गईं। उन्होंने मीडिया में खुलकर कहा था कि पवन सिंह ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। यहां तक कि कमरे में बंद कर मारपीट भी की। अक्षरा का कहना था कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। कुछ लोगों ने उन पर तेजबा फेंकने की कोशिश भी की। अक्षरा सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान ये भी कहा था कि

बडगाम में साजिश नाकाम: सघन तलाशी के बाद जंगल में दहशतगर्दों का ठिकाना ध्वस्त



श्वैनगर। एजेंसी

मध्यकश्मीरके बडगाम जिले के खाग इलाके में सुखाबखॉं ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। शुपरिन जन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक प्राकृतिक गुफा में बनाए अतंकी ठिकाने को ध्वस्त किया। यहां राशन, कंबल, बर्तन और अन्य जरूरी सामान बरामद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इस ठिकाने का इस्तेमाल आतंकि्यों के छिपने और लंबे समय तक रहने के लिए

किया जा सकता था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इलाके में संदिग्ध गतिविधियों और प्राकृतिक गुफा को ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किए जाने की खुफिया सूचना मिली थी। इसके आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने सुपरिन खाग के जंगलों में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। सघन तलाशी के दौरान एक प्राकृतिक गुफा का पता चला। जांच में वहां आतंकि्यों के लिए बनाए गए गुप्त ठिकाने के संकेत मिले। ठिकाने को नष्ट करने के बाद सुरक्षाबलों ने आसपास के पूरे जन क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है और यह सुनिश्चित करने के लिए सघन तलाशी जारी रखी है कि इलाके में कोई अन्य गुप्त ठिकाना न मौजूद हो। गुफा से रहने और खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया गया। इसमें एक गैस चूल्हा, एक कालीन, तीन कंबल, दो पतौले, दो थालियां, पांच लीटर का एक वाटर जग और एक बीपीपी शामिल है।

सड़क हादसे में दो सैन्य ट्रकों समेत तीन वाहन पलटे, चार जवान घायल

सांगला (किन्नीर)। एजेंसी

किन्नीर जिले में नेशनल हाइवे-505 पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। मिलिंग के पास लिटीधार में सेना के दो ट्रकों और एक सिविल ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में सेना के चार जवान घायल हो गए। ट्रकवर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों वाहन सड़क पर फलट गए और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। ज्वानकारी के अनुसार, दुर्घटना सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। सेना के दोनों ट्रक सीमा क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लिटीधर के पास उनकी एक मिलिंग ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे के बाद घायल जवानों को चांगी के नजदीक अस्पताल



पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया गया। यहीं, मिलिंग ट्रक का चालक सुरक्षित बताया जा रहा है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। राहत कार्य के दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। पुलिस और प्रशासन की टीम ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे से संबंधित जानकारी भी जुटाई।

आदेश

आरएसएस प्रमुख बोलें- इस दर्दनाक हादसे के लिए भीड़ और लापरवाही जिम्मेदार

कोलकाता के चोरबागान हादसे की जांच अब सीआईडी करेगी



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने चोरबागान में हुए दर्दनाक हादसे के लिए अत्यधिक भीड़ और गंभीर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के लिए प्रकृति को दोष नहीं दिया जा सकता। आयोजकों और प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन में विफलता के कारण ऐसी भयावह घटना हुई। अचानक हुई बारिश को हादसे का कारण बताया उचित नहीं है।

इधर, पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता

के विद्यमत उत्सव के दौरान हुए हादसे की जांच अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी है। सीआईडी के एडीसीपी कुणाल अग्रवाल ने कहा कि घटना के प्रत्येक पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। इस मामले में उपाध्यक्ष, सचिव और एक हेमगाइड सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने पंडाल के भीतर मोबाइल फोन के इस्तेमाल और किसी भी तरह की फोटोग्राफी पर सख्ती से रोक लगा दी है। जांच के दौरान पंडाल के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांच की गई है। हालांकि, लगभग 200 सीसीटीवी फुटेज में से अब तक केवल 30 ही बरामद हो पाए हैं। बाक़ी फुटेज ख़सिल करने और उनकी जांच करने की प्रक्रिया जारी है। जांच दल आयोजन

स्थल से संबंधित सभी दस्तावेजों की पड़ताल कर रहा है। इसमें दो महिला पंडाल के निर्माण और आयोजन क्षेत्र के नक्शे सहित अन्य महत्वपूर्ण अभिलेख शामिल हैं। हादसे के दिन वहां तेजाब सभी कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों को जांच के त्थयों में रखा गया है। जांच एजेंसी उस व्यंक्ति की भी पहचान करने का प्रयास कर रही है, जिसने कथित तौर पर ऐसी घोषणा की थी, जिससे भीड़ में भय और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हुआ। आशंका है कि इस घोषणा के बाद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई और बड़े पैमाने पर लोग इसकी चेष्ट में आ गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घोषणा किसने की, उसके पीछे क्या परिस्थितियां थीं और हादसे को रोकने के लिए मौके पर क्या इंतजाम किए गए थे।

पंडाल के थीम निर्माता ने जताया दुख
इस बीच, चोरबागान के उस पंडाल के थीम निर्माता सुशंत शिवानी पॉल ने हादसे पर गह्र दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने पंडाल के भीतर पर्याप्त रोकथाम नहीं होने के आरोपों से इनकार किया। उनका कहना है कि इस वर्ष चोरबागान का आयोजन सोशल मीडिया पर काफी चर्चित रहा था। इसकी लोकप्रियता के कारण कोलकाता के बाहर से, यहां तक कि दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग उत्सव देखने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि इस दुःख घटना से सबक लेने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो। आयोजन की लोकप्रियता और बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, प्रवेश-निर्कास व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम किए जाने चाहिए थे।



नई दिल्ली। एजेंसी

विजयादशमी पर इस वार दिल्ली की रामलीलाओं में राम-रावण युद्ध और रावण दहन के साथ देश की राजनीति के कई बड़े चेहरे भी नजर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हारम्व रेक्टर-10 में ड्राफ़ा श्री रामलीला ख़ैसबट्टी की ओर से आयोजित दशहरा सम्मारेह में शामिल होंगे। वहां रामलीला के सम्मपन पर 221 फुट ऊँचे रावण के पुतले का दहन किया

जाएगा। वहाँ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समििी के दशहत् सम्मारेह में पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में यहाँ नकली दण्ड्यों के कारोबार का पुतला जलाया जाएगा। लालकिला मैदान में उपराष्ट्रपति सीपी राधकृष्णन और नवश्री धार्मिक लीला कमेटी के दशहरा सम्मारेह में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी शामिल होंगे।

देहरादून: कंकाल से खुलेगा मौत का राज, कपड़ों से हुई युवक की पहचान

देहरादून। एजेंसी

किमाड़ी से आगे जंगल में मिले कंकाल की पहचान की पुष्टि के लिए पुलिस ने डीएनए जांच का सहारा लिया है। फॉरेंसिक लैब में सैपल भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि कंकाल तीन माह से लापता आजाद कौलीनी निवासी मोहम्मद सारिक का है या नहीं। पुलिस इस मामले में मौत की परिस्थितियों और स्वजनों की ओर से लगाए गए हत्या के आरोपों की भी जांच कर रही है। 22 वर्षीय मोहम्मद सारिक 17 जुलाई की रात घर से लापता हो गया था। वह ग्राम्फिक एर यूनिवर्सिटी से रेडियोथेरेपी टेक्नोलॉजी में स्नातक कर रहा था। उसके अचानक लापता होने पर



स्वजनों ने 18 जुलाई को पटेलनगर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला तो पुलिस ने मामले को अपहरण की प्राथमिकी में तर्मीम कर दिया था। हाल ही में किमाड़ी से आगे करीब सत्त किलोमीटर जंगल के भीतर एक कंकाल मिला। मौके से मिले कपड़ों के आधार पर स्वजनों ने उसकी पहचान सारिक के रूप में की। सीओ सद्दर अंकित कंडारी ने बताया कि पहचान की वैज्ञानिक पुष्टि के लिए डीएनए जांच जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

अनूप जलोटा की सलमान खान को सलाह - 'बिश्नोई समाज से माफी मांग लो '

नई दिल्ली। भजन गायक अनूप जलोटा ने टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चल रही दुश्मनी को खत्म करने के लिए सलमान खान को बिश्नोई समाज से माफी



मांग लेनी चाहिए। बातचीत में अनूप ने कहा कि 1998 के काले हिरण (ब्लैकबक) के शिकार मामले को लेकर समाज में जो नाराजगी है, उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका मानना है कि सलमान के माफी मांगने से आगे होने वाली ऐसी

घटनाओं को रोका जा सकता है। इस बारे में बात करते हुए अनूप जलोटा ने कहा, "मैं इससे बहुत दुखी हूं। इस सबको रोकने का बस एक ही तरीका है। सलमान खान को बिश्नोई समाज से माफी मांग लेनी चाहिए"। मैंने पहले भी यह बात कही है। यह बहुत जरूरी है कि बिश्नोई समाज से माफी मांगी जाए, क्योंकि उन्हें ठेस पहुंची है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो उन्हें दुख पहुंचता रहेगा। जो लोग सलमान खान के साथ काम करते हैं, उन्हें भी तकलीफ होगी और उनके परिवारों को भी दुख पहुंचेगा"। गायक ने सलमान खान से यह भी आग्रह किया कि वे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएं।

कतर से डिफेंस डील करने जा रहे पाकिस्तान-तुर्की और इंडोनेशिया



नई दिल्ली। खबर मिली है कि तुर्किये, पाकिस्तान, कतर और इंडोनेशिया के बीच जल्द ही रक्षा उद्योग में सहयोग को लेकर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को चारों देशों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस पहल की खास बात यह है कि इसमें इंडोनेशिया भी शामिल है। वहीं मक्का पैक्ट का हिस्सा सऊदी अरब इसमें शामिल नहीं है। हालांकि यह समझना चाहिए कि यह एक दूसरे की रक्षा करने वाला समझौता नहीं, बल्कि डिफेंस डील है। भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए अहम है, क्योंकि तुर्किये पहले से पाकिस्तान की मदद कर रहे हैं। इस डील को समझने के लिए मक्का पैक्ट और कतर में होने वाले समझौते के अंतर को जानना जरूरी है। मक्का पैक्ट में सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान शामिल हैं। यह सामूहिक रक्षा से जुड़ा समझौता है, जिसमें किसी एक सदस्य पर हमला होने की स्थिति में दूसरे देश युद्ध में उतर सकते हैं। इसके उलट, कतर में होने वाली नई डील का घोषित मकसद रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाना है। इसमें जॉइंट प्रोडक्शन, टेक्नोलॉजी शेयरिंग या रक्षा कंपनियों में निवेश जैसे विकल्प हो सकते हैं, लेकिन समझौते की पूरी डिटेल अभी सामने नहीं आई हैं। यहां एक अहम बदलाव जरूर दिखता है। तुर्किये और पाकिस्तान के साथ अब कतर और इंडोनेशिया भी रक्षा सहयोग के एक नए मंच पर साथ आ रहे हैं। इससे एशिया और खाड़ी क्षेत्र के बीच रक्षा उद्योग के रिश्ते बढ़ते दिख रहे हैं।

मुंबई पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो बोले- अंतिम चरण में भारत-अमेरिका ट्रेड डील'

मुंबई। मुंबई पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश सचिव विक्रम मिश्री भी मौजूद रहे। रूबियो ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार



समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का कहना है कि भारत वेनेजुएला के कच्चे तेल को परिष्कृत (रिफाइन) करके वैश्विक ऊर्जा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभा सकता है। भारत की क्षमताओं की सराहना करते हुए रूबियो ने कहा, 'भारत एक रिफाइनिंग महाशक्ति है। उनके पास भारी कच्चे तेल को परिष्कृत करने की क्षमता है और उन्होंने अतीत में भी ऐसा किया है।' रूबियो ने कहा कि वेनेजुएला के तेल उत्पादन में बढ़ोतरी से समय के साथ बाजार में आपूर्ति की कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है, हालांकि यह पूरी कमी को खत्म करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने आगे बताया कि भारत इस प्रक्रिया में शामिल होने का इच्छुक दिख रहा है, लेकिन इसके लिए अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से जुड़ी बाधाओं को दूर करना होगा।

वर्ष में सिर्फ एक दिन खुलता है काठमांडू का तलेजु भवानी मंदिर



काठमांडू। आम श्रद्धालुओं के लिए साल में केवल एक दिन खुलने वाले काठमांडू के तलेजु भवानी मंदिर में दर्शन के लिए मंगलवार सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। विश्व धरोहर सूची में शामिल हनुमानढोका दरबार क्षेत्र स्थित तलेजु भवानी मंदिर मंगलवार को सुबह 5 बजे से आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। हालांकि, मंदिर खुलने से पहले ही दर्शनार्थियों की कतार लग गई थी। हनुमानढोका दरबार प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख जयन्ती श्रेष्ठ प्रधान ने बताया कि मंदिर में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक पूजा और दर्शन की व्यवस्था की गई है। यह मंदिर हर साल शारदीय नवरात्र के महानवमी के अवसर पर ही आम श्रद्धालुओं

के लिए खोला जाता है। हालांकि, कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2020 में मंदिर आम लोगों के लिए नहीं खोला गया था। आश्विन शुक्ल नवमी यानी महानवमी के दिन ही खुलने वाले इस मंदिर में हर साल हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। नेपाल पंचांग निर्णायक विकास समिति की ओर से निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार, तुलजा भवानी को गत शनिवार, सुबह 7:37 बजे हनुमानढोका दरबार क्षेत्र के मूलचोक में लाया गया था। उसी दिन सुबह 10:39 बजे उन्हें निर्धारित आसन पर विराजमान कराया गया। तलेजु भवानी को मूलचोक में विराजमान रखकर महाअष्टमी की रात कालरात्रि पूजा की गई।

इटली- नाबालिग ने तोड़फोड़ की तो माता-पिता भरपाई करेंगे हिंसक प्रदर्शन पर 21 लाख जुर्माना, 5 साल तक जेल; लूटपाट-आगजनी के बाद नए नियम लागू

इटली। इटली में हिंसक प्रदर्शन करने वालों को अब 5 साल तक जेल और करीब 21 लाख रुपए तक जुर्माना देना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने मंगलवार को मिलान में दुकानों में लूटपाट और आगजनी के बाद सुरक्षा के नए नियमों को मंजूरी दी है।

नए नियमों के तहत नाबालिगों के किए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता को करनी होगी। साथ ही, 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाना आसान होगा।

मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात होंगे

सरकार ने मिलान में सुरक्षा बढ़ाने के लिए साल के आखिर तक 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में कहा कि हिंसा में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का शामिल होना दुखद और डराने वाला है।

मेलोनी के मुताबिक, इस समस्या से गंभीरता से निपटना जरूरी है, ताकि हिंसा के वीडियो देखकर दूसरे युवा भी ऐसा करने के लिए प्रेरित न हों।

चेहरा ढकने या किसी को चोट पहुंचाने पर बढ़ेगी सजा

नए नियमों के तहत प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल होने को अलग अपराध बनाया गया है। अगर कोई आरोपी चेहरा ढककर हिंसा करता है या किसी को चोट पहुंचती है, तो उसकी सजा



बढ़ाई जाएगी।

प्रदर्शन के दौरान दुकानों या दूसरी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को उसकी भरपाई करनी होगी। सरकार के इस आदेश को स्थायी कानून बनाने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी है। संसद को 60 दिनों के भीतर इसे कानून में बदलना होगा।

14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों पर केस चलाना आसान



नए नियमों में 14 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को सामान्य तौर पर अपने काम के नतीजों को समझने में सक्षम माना जाएगा। अगर कोई यह साबित करना चाहता है कि बच्चा अपने काम को समझने में सक्षम नहीं था, तो उसे इसके सबूत देने होंगे।

अब तक यह फैसला जज करते थे कि कोई नाबालिग अपने काम के सही-गलत होने और उसके नतीजों को समझ सकता है या नहीं। नए नियमों से इस प्रक्रिया में बदलाव होगा।

मेलोनी ने कहा कि सरकार हिरासत केंद्रों में और जगह बनाएगी। किशोर न्याय व्यवस्था में जजों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, ताकि नाबालिगों से जुड़े मामलों को संभालने में मदद मिल सके।

दो दिन की हिंसा में 100 से

गृहमंत्री ने झोटा, गुलजार व विक्रमजीत के परिजनों से की मुलाकात

नशे के खिलाफ एकजुट हों पंजाब वासी केंद्र सरकार देगी साथ : अमित शाह

■ एजेन्सी, चंडीगढ़

गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब वासियों को नशे के खिलाफ एकजुट होने की अपील करते हुए कहा है कि केंद्र इस लड़ाई में पंजाब वासियों के साथ खड़ी है और 31 दिसंबर, 2029 तक पंजाब से ड्रग तस्करो का सफाया करना ही मोदी सरकार का लक्ष्य है। आज पंजाब के गांव-गांव में नशा पहुंच चुका है, लेकिन सरकार इसे काबू करने में पूरी तरह से विफल साबित हुई



है। गृहमंत्री मंगलवार को पंजाब के गुरदासपुर में विक्रमजीत सिंह, संगरूर में गुलजार सिंह व मानसा में परचंद सिंह झोटा के परिजनों से मिले। इन

गाजा में वाणिज्यिक सामान की आपूर्ति फिर शुरू करेगा इजराइल

काहिरा। इजराइल ने गाजा में वाणिज्यिक सामान की खेपों के प्रवेश पर लगी रोक हटाने का फैसला किया है। यह रोक हमास और व्यापारियों के बीच कथित शुल्क वसूली को लेकर विवाद के बाद कई दिनों से लागू थी। आपूर्ति बहाल होने से युद्ध प्रभावित गाजा में खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है। गाजा में मानवीय मामलों की निगरानी करने वाली इजराइली सैन्य एजेंसी कोगाट (सीओजीएटी) ने सोमवार को बताया कि व्यापारियों ने उसे जानकारी दी है कि हमास प्रशासन ने प्रत्येक ट्रक पर 10,000 शेकेल (करीब 3,225 डॉलर) भुगतान की मांग वापस ले ली है। इसके बाद वाणिज्यिक खेपों के प्रवेश की प्रक्रिया दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया गया। एजेंसी ने कहा कि आपूर्ति बहाल करने का कदम युद्धविरोध समझौते में शामिल मानवीय प्रावधानों के प्रति इजराइल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

लोग, साथ ही दूसरे देशों के नागरिक भी बड़ी संख्या में थे।

अब तक करीब 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 30 से ज्यादा नाबालिग हैं।

मिलान में महंगाई और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आगजनी की कई घटनाएं सामने आई थीं। वीडियो 17 अक्टूबर का है। मिलान में महंगाई और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आगजनी की कई घटनाएं सामने आई थीं। वीडियो 17 अक्टूबर का है।

स्कूलों की हालत पर 30 अक्टूबर को हड़ताल का ऐलान

इटली में लोग कम सैलरी, महंगा रहन-सहन और खराब सरकारी सुविधाओं के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ रहे हैं, लेकिन कमाई उस हिसाब से नहीं बढ़ रही। महंगे मकानों और किराए की समस्या ने भी लोगों की मुश्किलें बढ़ाई हैं। अब प्रदर्शनकारियों ने 30 अक्टूबर को देशभर में हड़ताल का ऐलान किया है।

अवैध प्रवासियों से जल्द ही मुस्लिम शहर बन जाएगा पेरिस

■ एजेन्सी, पेरिस

फ्रांस में शहर से लेकर गांव-गांव तक हिंसा की आग फैल चुकी है। बढ़ते हिंसक विरोध प्रदर्शन को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि पेरिस जल्द ही एक मुस्लिम शहर बन जाएगा। उन्होंने इस पूरे बवाल के लिए सीधे आप्रवासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि फ्रांस को अपने बॉर्डर्स को बंद कर देने चाहिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोप तथा फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन से सीमाओं को और सख्त करने का आग्रह किया। ट्रंप ने वाशिंगटन में पत्रकारों से कहा, 'फ्रांस में जो हो रहा है, उसका संबंध आक्रजन से है, स्कूलों से नहीं, न ही किसी और चीज से।' उन्होंने एक दिन पहले दिए अपने बयान को दोहराते हुए कहा, 'यह आक्रजन का



मामला है और मैंने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन से कहा है कि अपनी सीमाएं बंद कर दें।'

बता दें कि फ्रांस में लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध पेरिस और अन्य शहरों में प्रदर्शन हुए, जो हाल के वर्षों में फ्रांस में देखी गई सबसे भीषण सड़क हिंसा में तब्दील हो गए। डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्रो के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए उनसे कहा, 'बहुत समय पहले, आप फ्रांस में

एक बड़ी गलती कर रहे हैं। आप दुनिया भर से सभी को आने दे रहे हैं। पूरी दुनिया आ रही थी।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पेरिस बहुत जल्द एक मुस्लिम शहर बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यूरोप अपनी सीमाएं बंद नहीं करता और अपराधियों को, जैसे कि विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को, बाहर नहीं निकालता, तो यूरोप का अंत हो जाएगा। बता दें डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध आप्रवासन से निपटने को अमेरिका के 2024 के लोकसभा चुनाव में अपना कोर एजेंडा बनाया था। उन्होंने वादा किया था कि वो अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई करेंगे। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि फ्रांस के कई शहरों में हुए दंगों की वजह से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को करीब 5,50,000 लोगों ने विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया।

फ्रांस हिंसा में अब तक 4 करोड़ से ज्यादा की बाइके फूँकी

फ्रांस में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच राजधानी पेरिस की सड़कों पर हिंसा की घटनाएं देखने को मिली हैं। कई जगह इलेक्ट्रिक बाइकों जलती हुई दिखाई दीं। इस सप्ताहांत ई-बाइकों के ढेर से काला धुआं और आग की लपटें उठती दिखीं, जबकि एक प्रदर्शनकारी को जलती हुई कार पर इलेक्ट्रिक बाइक फेंकते हुए भी देखा गया। शहर के प्रभावित इलाकों के वीडियो में सड़कों से धुआं, मलबा और जली हुई चीजें बिखरी पड़ी दिखाई दे रही हैं। इस हिंसा से साइकिल और स्कूटर सेवा देने वाली कंपनियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान सैकड़ों वाहन नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

सूडान में गृहयुद्ध : ड्रोन हमलों में 160 से ज्यादा मौतें

खार्तूम। सूडान में चल रही जंग अब आम लोगों के लिए और खतरनाक होती जा रही है। घर लौटने के लिए सवारी का इंतजार कर रहे लोग हों या बाजार में खरीदारी करने पहुंचे लोग, ड्रोन हमलों ने किसी को नहीं बखशा है। हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए हमलों में 160 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं। सूडान में सेना और अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्स (RSF) के बीच अप्रैल 2023 से लड़ाई जारी है। हाल के महीनों में ड्रोन हमलों के बढ़ने से आम नागरिकों की जान पर खतरा और बढ़ गया है।

हाल के हमलों में सबसे ज्यादा

मौतों की खबर दक्षिण-पश्चिमी सूडान के वेस्ट कोडोफान राज्य के अल-दिबाब शहर से आई। रविवार शाम बाजार के पास एक बस स्टॉप पर ड्रोन हमला हुआ। यहां गांवों से आया लोग बाजार का दिन खत्म होने के बाद घर लौटने के लिए सवारी का इंतजार कर रहे थे। स्थानीय लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों के मुताबिक, इस हमले में 80 लोगों की मौत हुई। समाचार एजेंसी AFP के मुताबिक, हमले में घायल 47 लोगों को पास के अल-मुज्ताद शहर ले जाया गया। RSF के स्वघोषित प्रशासन तामिस और नागरिकों पर हिंसा की निगरानी करने वाले संगठन इमरजेंसी लॉयर्स ने इस हमले के लिए सूडानी सेना को जिम्मेदार ठहराया है।

भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू

सभी भारतीय सामानों को ड्यूटी-फ्री एंट्री; अब न्यूजीलैंड के कीवी फ्रूट-कपड़े जैसे सामान सस्ते

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 20 अक्टूबर से लागू हो गया है। इसके तहत न्यूजीलैंड में सभी भारतीय सामानों को 100% ड्यूटी-फ्री एंट्री मिलेगी। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 20 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.90 लाख करोड़ रुपए का निवेश भी करेगा।

यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा करते हुए बताया कि इसका मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 2.4 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर साल 2030 तक करीब 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर यानी लगभग 38,000 करोड़ तक पहुंचाना है।न्यूजीलैंड भारत के 100% टैरिफ लाइन्स यानी सभी प्रोडक्ट कैटेगरी पर जीरो इम्पोर्ट ड्यूटी की सुविधा दे रहा है। यह भारत के इतिहास में ऐसा पहला ऋद्ध अ है, जिसमें लागू होने के पहले ही दिन से सभी प्रोडक्ट्स पर पूरी तरह से ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिला है। इस कदम से भारतीय एक्सपोर्टर्स को होने वाला वह नुकसान खत्म हो जाएगा, जो उन्हें एकटीए से पहले लगने वाले 10% तक के टैरिफ की वजह से उठाना पड़ता था। भारत ने घरेलू हितों को ध्यान में रखते हुए अपने संवेदनशील ये प्रोडक्ट्स को FTA में शामिल नहीं हैं **सर्विस सेक्टर, विज्ञा नियमों और खेती में फायदा:** न्यूजीलैंड ने भारतीय सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए अपने 118 सर्विस सेक्टर्स/सब-सेक्टर्स खोल दिए हैं। इनमें आईटी, प्रोफेशनल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशन, कंस्ट्रक्शन, एजुकेशन, फाइनेंशियल सर्विसेज और



टूरिज्म शामिल हैं। इससे भारतीय प्रोफेशनल्स और बिजनेस विजिटर्स के लिए आवाजाही आसान होगी। इंटर-कॉरपोरेट ट्रांसफर: एक ही कंपनी के ट्रांसफर हुए कर्मचारी 3 साल तक रह सकेंगे। बिजनेस विजिटर्स/सर्विस वर्कर्स इक्विपमेंट इस्टॉलेशन या सर्विसिंग करने वाले वर्कर 12 महीने की समयसीमा में मैक्सिमम 90 दिन तक स्टे कर सकेंगे। कॉन्ट्रेक्टुअल सर्विस प्रोवाइडर्स व इंडिपेंडेंट प्रोफेशनल्स: 12 महीने तक रहने की छूट होगी।

नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट वीजा: स्कौल भारतीयों के लिए एक नया वीजा पाथवे बनाया गया है, जिसके तहत 5,000 वीजा का कोटा तय किया गया है। इसमें आईटी, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, एजुकेशन, हेल्थकेयर के अलावा योग इंस्ट्रक्टर, शेफ, म्यूजिक टीचर और आयुष प्रैक्टिशनर्स शामिल हैं।

कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए एग्रीकल्चर प्रोडक्टिविटी पार्टनरशिप की गई है। इसके तहत कीवी, सेब और शहद के लिए डेडिक्टेड एक्शन प्लान बनाकर भारत में उत्पादकता और क्वालिटी सुधारी जाएगी।

FTA से न्यूजीलैंड को क्या-क्या फायदा: भारत अपनी 70% टैरिफ लाइन्स पर रियायत दे रहा है, जो

FTA का सीधा फायदा इन प्रमुख सेक्टर्स को	ये प्रोडक्ट्स FTA में शामिल नहीं हैं
- लेदर और फुटवियर - अपरेल और टेक्सटाइल - फल और सब्जियां - काँफी, चाय, कोको और मसाले - अनाज और प्रोसेस्ड फूड - फार्मास्यूटिकल्स - इंजीनियरिंग गुड्स - मशीन प्रोडक्ट्स - लास्टिक और रबर	- डेयरी प्रोडक्ट्स: दूध, क्रीम, वे, दही और पनीर। - एनिमल प्रोडक्ट्स: भेड़ के मांस को छोड़कर अन्य पशु उत्पाद। - कृषि उत्पाद: प्याज, चना, मटर, मक्का और बादाम। - अन्य वस्तुएं: चीनी, आर्टिफिशियल शहद, एनिमल/वेजिटेबल/माइक्रोबियल फैट और ऑयल। - इंडस्ट्रियल व अन्य: हथियार और गोला-बारूद, कीमती धातुएं व फिनिशड ज्वेलरी, कैशोइस, कार्ट्रिज, रॉइस, बार्स, कोइल्स और इंगोर्ट्स, , वायर।

दोनों देशों के मौजूदा ट्रेड वैल्यू का लगभग 95% कवर करता है। बाकी 29.97% टैरिफ लाइन्स को एक्सकुल्टुजन लिस्ट में रखा गया है।

सेब, कीवी, मानुका हनी और एल्ब्यूमिन के लिए भारत ने ड्यूटी-बेस्ड कोटा (TRQ), मिनिमम इम्पोर्ट प्राइस (MIP) और सेफनाई मेजर्स तय किए हैं। इससे घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के साथ-साथ फेज वाइज इंपोर्ट सुनिश्चित होगा।

नई रेनो डस्टर के साथ भारत आई रेनो की रिवोल्यूशनरी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड E-Technology

■ एजेन्सी, मुंबई

डस्टर के जरिए भारतीय ग्राहकों तक पहुंचेंगे फॉर्मूला 1 से निकले इनोवेशन, इलेक्ट्रिक मोड को प्राथमिकता देने वाली ड्राइविंग और अपनी कैटेगरी में सबसे बेहतर माइलेज। इसके स्ट्रॉंग-हाइब्रिड पावरट्रेन में 1.8 लीटर पेट्रोल इंजन, 2 इलेक्ट्रिक मोटर और 1.4 kWh बैटरी है। सिस्टम की अधिकतम पावर 160 PS और मोटर का पीक टॉर्क 208 N है। गाड़ी में फॉर्मूला 1 से प्रेरित

ऑटोमैटिक गियरबॉक्स है, जिसमें 2 इलेक्ट्रिक और 4 पेट्रोल गियर हैं। इसके 15 ड्राइव कॉम्बिनेशन ड्राइविंग को ज्यादा स्मूद और रिस्पांसिव बनाते हैं। अपनी कैटेगरी में सबसे ज्यादा, 29 किमी प्रति लीटर का माइलेज (एआरएआई सर्टिफाइड)। शहर में 80% तक ड्राइविंग पूरी तरह ईवी मोड में हो सकती है, और डीजल के मुकाबले 29% तक ईंधन बचता है। नई डस्टर स्ट्रॉंग हाइब्रिड E-Tech 160 इवोल्यूशन, टेक्नो और इमोशन, तीन वेरिएंट में उपलब्ध है। इसकी शुरुआती कीमत 16.99 लाख रुपये है। मुंबई: रेनो ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी रेनो इंडिया ने आज अपनी स्ट्रॉंग हाइब्रिड E-Tech 160 तकनीक भारत में पेश करने की घोषणा की। दुनिया भर में सराही गई इस तकनीक का भारत आना देश में कंपनी के इलेक्ट्रिफिकेशन के सफर का एक अहम पड़ाव है। भारत में यह तकनीक सबसे पहले नई रेनो डस्टर

स्ट्रॉंग हाइब्रिड E-Tech160 में दी गई है। हाइब्रिड तकनीक में रेनो की विशेषज्ञता दुनिया भर में परखी जा चुकी है। इस मॉडल में यह विशेषज्ञता डस्टर जैसी मशहूर एसयूवी की क्षमता, व्यावहारिकता और हर काम में ढल जाने की खुबी से मिलती है। जो ग्राहक एक आधुनिक एसयूवी में अच्छा माइलेज, परफॉर्मेंस और रोज के इस्तेमाल में आसानी चाहते हैं, उनके लिए डस्टर और E-Tech की यह जोड़ी काफी आकर्षक है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ एक घंटे में पूरा भरा

बड़े निवेशकों ने 8 गुना और आम लोगों ने 0.65 गुना सब्सक्राइब किया ; 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा

मुंबई। जियो प्लेटफॉर्मस लिमिटेड का देश का सबसे बड़ा आईपीओ , 21 अक्टूबर को पहले ही दिन सिर्फ 1 घंटे में पूरा सब्सक्राइब हो गया है। एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड इ1,065 से इ1,119 है। शेयर लेने के लिए आम निवेशक को कम से कम इ13,428 लगाने होंगे। मैक्सिमम 14 लॉट यानी 168 शेयर के लिए अंप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए इ1.87 लाख रुपए लगेंगे। ग्रे मार्केट के हिसाब से लिस्टिंग पर 22त रिटर्न मिल सकता है। यह आईपीओ 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इस आईपीओ में कंपनी 27 करोड़ शेयर जारी कर रही है। इसके जरिए 30,188 करोड़ रुपए जुटाएगी। लिस्टिंग के बाद कंपनी का मार्केट कैप इ10.30 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है।

दोपहर 3 बजे तक सब्सक्रिप्शन की स्थिति

यह आईपीओ ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें कुल 19,75,25,934 शेयर्स के मुकाबले निवेशकों से 32,41,00,728 शेयर्स के लिए आवेदन मिले हैं। इस सब्सक्रिप्शन को मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों ने अपने कोटे से 4.86 गुना ज्यादा बोली लगाई है। बाकी कैटेगरी में अभी भी कोटे से कम आवेदन आए हैं। आम निवेशक- इस कैटेगरी में अब तक आईपीओ 64त सब्सक्राइब हो चुका है। कर्मचारी- इसके तय हिस्से का 123त आईपीओसब्सक्राइब हो चुका है। शेयरहोल्डर्स- रिलायंस के शेयरहोल्डर्स ने 127त शेयर्स के लिए बोली लगाई है। कर्मचारियों और शेयरहोल्डर्स के लिए 3,000 करोड़ के शेयर रिजर्व कर्मचारियों के लिए- एम्प्लॉइज के लिए 500 करोड़ तक के शेयर रिजर्व रखे गए हैं।

भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी जियो की जर्नी	
2016 10 फरवरी 2016 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2017 10 फरवरी 2017 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2019 10 फरवरी 2019 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2020 10 फरवरी 2020 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2022 10 फरवरी 2022 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2024-25 10 फरवरी 2024-25 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	
2026 10 फरवरी 2026 को, जियो ने भारत में अपना पहला 4G LTE नेटवर्क शुरू किया।	

एम्प्लॉई डिस्काउंट- कर्मचारियों को हर शेयर पर इ54 की छूट भी मिलेगी। ऋद्धशेयरहोल्डर्स-एलिजबल शेयरहोल्डर्स के लिए इ2,500 करोड़ तक का कोटा है।

1371 रुपए पर हो सकती है शेयर्स की लिस्टिंग

लिस्ट होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 22.52त यानी इ252 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ग्रे मार्केट प्रीमियम यानी लक्ख के हिसाब से देखें तो अपर प्राइस बैंड इ1,119 के लिहाज से इसकी लिस्टिंग (1119+252=इ1371) इ1371 पर हो सकती है।

इश्यू में किसके लिए कितना हिस्सा रिजर्व कालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स = 50त हिस्सा रिजर्व

नॉन-इंसीटीट्यूशनल इन्वेस्टर्स = 15त हिस्सा रिजर्व
रिटेल निवेशक= 35त हिस्सा रिजर्व
किन्हें मिलेगा शेयरहोल्डर रिजर्वेशन का फायदा

एलिजबल रिलायंस शेयरहोल्डर्स में वे व्यक्ति और हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली (।।स) शामिल हैं, जिनके पास कंपनी के रेड हियरिंग प्रॉप्सेक्टस यानी ऋद्धादखिल करने की तारीख यानी 14 अक्टूबर तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के पब्लिक इक्रिटी शेयर थे। यह छूट लागू एलिजबिलिटी क्राइटेरिया और रेगुलेटरी नियमों के अधीन होगी।

जुटाई गई रकम से कर्ज चुकाएगी कंपनी

इस आईपीओ से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल कंपनी की प्रमुख सब्सिडियरी, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के कर्जों के पेमेंट के लिए किया जाएगा। इसके अलावा जनरल कॉर्पोरेट के कामों के लिए भी फंड का इस्तेमाल किया जाएगा।

इश्यू के बाद प्रमोटर और प्रमोटर रूप की हिस्सेदारी 66.43त से घटकर 64.48त रह जाएगी, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 33.57त से बढ़कर 35.52त हो जाएगी।

आईपीओ से पहले एंकर इन्वेस्टर्स से इ8,110 करोड़ जुटाए

आईपीओ से पहले कंपनी ने 212 एंकर इन्वेस्टर्स से इ8,110 करोड़ जुटाए। कंपनी की एंकर बुक को 30 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला था। यानी एंकर बुक के मुकाबले एंकर इन्वेस्टर्स ने करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए की बोलियां लगाई थीं। एंकर इन्वेस्टर्स यानी बड़े इंस्टीट्यूशनल करन बेहद आसान हो जाता है, जिसे इंटरनेट क्लाउड पर भी चलाया जा सकता है।

ग्राहकों को सावधानी बरतने का संदेश

पीएनबी ने एआई से होने वाले साइबर फ्रॉड को लेकर ग्राहकों को किया सतर्क

■ एजेन्सी, नई दिल्ली



सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से आवाज की नकल, 'डीपफेक' और 'फिशिंग' (फर्जी संदेशों के जरिये गोपनीय जानकारी चुराने की कोशिश) जैसी साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को लेकर ग्राहकों को सतर्क किया है। बैंक ने जारी एक बयान में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को लेकर ग्राहकों को सावधानी बरतने और किसी संदेश या कॉल पर बिना पुष्टि के भरोसा नहीं करने की सलाह दी है। पीएनबी ने कहा कि धोखाधड़ी करने वाले लोग अब अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने ग्राहकों को दिए संदेश में कहा, “आजकल साइबर धोखाधड़ी के कई मामलों में लोगों के व्यवहार, खासकर भरोसे, डर, जल्दबाजी और रोजमर्रा की डिजिटल आदतों का फायदा उठाया जाता है। धोखाधड़ी करने वाले आपके परिवार के सदस्यों, दोस्तों

उन्होंने कहा कि इसी तरह फर्जी ईमेल, एसएमएस या संदेश बहुत व्यक्तिगत और बैंक के असली संदेशों जैसे दिख सकते हैं। इससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे संदेश घबराहट पैदा करते हैं और ग्राहक बिना पुष्टि किए कार्रवाई कर बैठते हैं। देशभर में साइबर अपराध की उल्लेखनीय है कि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ग्राहकों को बताया कि हर साल अक्टूबर को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है।

आई.पी.ओ का महामुकाबला

नई दिल्ली। कल से निवेशकों के पास देश की दो बड़ी और बिल्कुल अलग सेक्टर्स की कंपनियों में दांव लगाने का मौका होगा। एक तरफ रिलायंस समूह की दिग्गज और डिजिटल कनेक्टिविटी की बादशाह जियो प्लेटफॉर्मस लिमिटेड मार्केट में अपना ऐतिहासिक आईपीओ लेकर उतर रही है तो दूसरी तरफ उ्तर भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में मजबूत पकड़ रखने वाली और घाटे से मुनाफे में शानदार टर्नआराउंड दिखाने वाली हॉस्पिटल चैन पारस हेल्थकेयर लिमिटेड अपनी किस्मत आजमा रही है। इसलिए किसी भी आम निवेशक के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि अपनी गाढ़ी कमाई को कहाँ लगाना समझदारी भरा सौदा होगा और कहाँ जोखिम का स्तर अधिक है।

एसबीआई के 4,000 ग्राहकों का डेटा लीक

डार्क वेब पर नाम-नंबर, ईमेल और पता मौजूद ; बैंक बोला-कामकाज-सर्विसेज पर असर नहीं

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के करीब 4,000 ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो गया है। बैंक ने डेटा लीक की जांच भी शुरू कर दी है। एसबीआई ने बुधवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। बैंक ने बताया कि डार्क वेब पर लीक डेटा में से 3,897 कस्टमर रिकॉर्ड्स में पर्सनली आइडेंटिफिकएबल इनफार्मेशन पाई गई है। यानी नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, पता, आधार या बैंक नंबर जैसी डिटेल्स हैं।

एजेंसियों से मिले अलर्ट के बाद जांच शुरू हुई

एसबीआई ने बताया कि उसे 16 अक्टूबर को डार्क वेब पर डेटा लीक को लेकर अलर्ट मिले थे। ये अलर्ट बैंक के थ्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम की तरफ से जारी किए गए थे। इन चेतावनियों के मिलने के तुरंत बाद बैंक की टेक्निकल टीम ने जांच प्रक्रिया शुरू की।

3.75 लाख रिकॉर्ड्स का एनालिसिस किया गया
अलर्ट मिलने के बाद डार्क वेब पर अवेलेबल लगभग 3,75,000 रिकॉर्ड्स का शुरुआती एनालिसिस किया गया। इस जांच के दौरान बैंक ने पाया कि कुल 3.89 लाख से ज्यादा रिकॉर्ड्स में से 3,897 ग्राहकों के डेटा में उनकी व्यक्तिगत जानकारीयें मौजूद हैं।

नाम, पता और लोन रिकॉर्ड्स: डेटा में क्या-क्या शामिल

जांच में सामने आए 3,897 रिकॉर्ड्स में ग्राहकों की कई निजी और बैंकिंग जानकारीयां शामिल हैं... पर्सनल डिटेल्स- ग्राहकों के नाम, जेंडर, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, छद्म, ईमेल-ब्लू और घर का पता। बैंकिंग डिटेल्स- ब्रांच कोड, कस्टमर आईडेंटिफिकेशन फाइल (छद्म) आइडेंटिफायर्स और लीड आईडी। लोन डॉक्यूमेंट्स-लोन और लीड रिकॉर्ड्स से जुड़ा मेटाडेटा और उनसे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी।

हैकर ग्रुप ने बैंक का डेटा हैक किया

बैंक का यह ऑफिशियल बयान एक अज्ञात हैकर ग्रुप के दावे के बाद आया है। इस ग्रुप ने दावा किया था कि उसने खट्टू से जुड़े ग्राहक डेटा, लोन एप्लीकेशन और अकाउंट ओपनिंग डॉक्यूमेंट्स को हैक किया है।

साइब सिक्वोरिटी मॉनिटरिंग अकाउंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पर 16 अक्टूबर को पहली बार इस दावे को हाईलाइट किया था।

पोस्ट के मुताबिक, हैकर ग्रुप के पास खट्टू फॉर्मेट में लगभग 3.8 लाख डेटा एंट्रीज और बैंक से जुड़ी 2,722 खट्टू फाइलें मौजूद थीं। हालांकि, इन दावों की ऑथेंटिसिटी और डेटा के मेन सोर्स की इंडिपेंडेंट कन्फर्मेशन अभी तक नहीं हुई है।

चीटएन से जुड़ी साइबर एजेंसी करेगी जांच

डेटा लीक का अलर्ट मिलते ही ने अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और कटेनमेंट प्रोटोकॉल को तुरंत एक्टिव कर दिया है। इसके साथ ही बैंक ने एक इंडिपेंडेंट साइबर सिक्वोरिटी एजेंसी



A POWERFUL ONSET

अंधेरी रात में चमकता लावा, ज्वालामुखी की तस्वीर को मिला इंटरनेशनल अवॉर्ड

यह तस्वीर आइसलैंड के सुंडहनुकागिगर ज्वालामुखी क्षेत्र में 20 नवंबर 2024 की रात ली गई थी। इसमें ज्वालामुखी से निकलता गर्म लावा काली जमीन पर बहता नजर आ रहा है। नारंगी रंग में चमकते लावे की धाराएं और आसमन का अंधेरा तस्वीर को खास बनाते हैं। इटली के फोटोग्राफर मार्को डी मस्कौ की इस तस्वीर का नाम 'ए पावरफुल ऑनसेट' है। इसे 2026 के सिमूना इंटरनेशनल फोटो अवॉर्ड्स में 'द ब्यूटी ऑफ नेचर' कैगोरी में पहला स्थान मिला है।

समुद्र में कार जैसी रफ्तार दिखाएंगी फेरारी की नौका



HYPERSAIL BOAT

कार निर्माता फेरारी की 100 फीट लंबी हाइपरसेल नौका का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। 16 अक्टूबर को पहली बार इसकी विस्तृत झलक सामने आई। इसकी बाहरी रंग-सज्जा पूरी हो चुकी है और पानी से ऊपर उठने वाले उपकरण लगाए जा चुके हैं। इसका मतलब 35.5 मीटर ऊंचा है। हाइपरसेल तकनीक की मदद से तेज रफ्तार पर नौका का मुख्य बोचा पानी से ऊपर उठ सकेगा। इसमें कार्बन फाइबर, टाइटेनियम, स्टेनलेस स्टील और स्टीर पैनल का इस्तेमाल हुआ है।

अमेरिका की परंपरा, भेड़ की पीठ पर सवार बच्चे



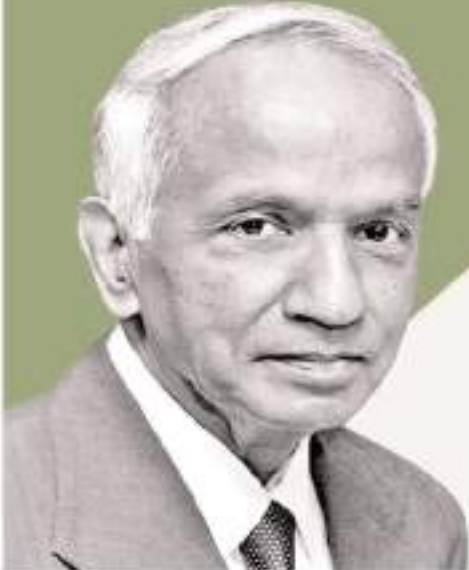
RACING TRADITION

अमेरिका के रेडियो में बच्चों के लिए एटन ब्रिस्टन नाम की अनोखी प्रतिस्पर्धा होती है। इसमें बच्चे भेड़ की पीठ पर बैठकर कुछ दूरी तक दौड़े रहने की कोशिश करते हैं। सुरक्षा के लिए बच्चों को हेलमेट और जैकेट पहनाई जाती है। यह प्रतिस्पर्धा ओक्लाहोमा में होने वाले रॉय लेब्रॉक इनविटेशनल रेडियो की हिस्सा रही है। इसकी शुरुआत 1956 में अश्वेत काउन्सिल की प्रतीमा दिखाने का मंच देने के लिए हुई थी। आज यह उनकी सांस्कृतिक विरासत का आगे बढ़ाती है।

चेहरे जिनके जिक्र के बिना दुनिया अधूरी

सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर प्रसिद्ध खगोल भौतिक विज्ञानी थे। उनके शोध ने यह समझने का रास्ता खोला कि कुछ तारे अपने जीवन के अंतिम चरण में सफेद बौने बनकर स्थिर हो सकते हैं, जबकि अधिक द्रव्यमान वाले तारे आगे चलकर डह सकते हैं।

सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर



शिक्षा

चंद्रशेखर का जन्म उस समय ब्रिटिश भारत के मद्रास में हुआ था। उनकी शुरुआती पढ़ाई घर पर हुई। बाद में परिवार मद्रास (अब चेन्नई) में बस गया। उन्होंने यहां के प्रेसिडेंसी कॉलेज से भौतिकी में पढ़ाई की और 1930 में स्नातक की डिग्री हासिल की। आगे की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए। वहां उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञानी रॉबर्ट एच. फाउलर के मार्गदर्शन में शोध किया और 1933 में पीएचडी पूरी की।

योगदान

चंद्रशेखर ने बताया कि किसी तारे का अंत उसके द्रव्यमान पर निर्भर करता है और बहुत भारी तारे अंत में ब्लैक होल बना सकते हैं। उनका सबसे अधिक योगदान तारों के अंतिम चरण से जुड़ी एक सीमा की गणना है, जिसे आज चंद्रशेखर सीमा कहा जाता है। इससे वैज्ञानिकों को समझने में मदद मिली कि सूर्य जैसे तारों के अंतिम चरण में बनने वाले सफेद बौने कितने अधिक द्रव्यमान तक स्थिर रह सकते हैं।

जहाज की यात्रा के दौरान निकाली तारों की सीमा

1930 में इंग्लैंड जाते समय सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर सिर्फ 19 साल के थे। समुद्री यात्रा के दौरान उन्होंने सफेद बौने तारों पर गणितीय अध्ययन किया। उन्होंने आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत और क्वांटम भौतिकी की मदद से इन तारों के अधिकतम द्रव्यमान की गणना की। उन्होंने बताया कि सूर्य से 1.4 गुना से अधिक द्रव्यमान वाला तारा सफेद बौने के रूप में स्थिर नहीं रह सकता। यह खोज आगे चलकर चंद्रशेखर सीमा कहलायी।

एडिंगटन से हुआ था वैज्ञानिक मतभेद

शुरुआत में चंद्रशेखर के निष्कर्षों को वैज्ञानिकों ने खोकार नहीं किया। 1935 में ब्रिटिश खगोल विज्ञानी आर्थर एडिंगटन ने रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी की बैठक में उनके सिद्धांत पर सवाल उठाए। एडिंगटन तारों के इस तरह ढहने की संभावना से सहमत नहीं थे। विरोध के बावजूद चंद्रशेखर ने शोध जारी रखा। बाद में उनके काम ने तारों के अंतिम चरण और उनके गुरुत्वाकर्षण पतन को समझने में अहम भूमिका निभाई।



1983 में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करते सुब्रह्मण्यन चंद्रशेखर।

अमेरिका में शुरू किया शोध और अध्यापन

1937 में चंद्रशेखर अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय से जुड़े। उन्होंने वहां के एक्स वैधशाला सहित विश्वविद्यालय में लंबे समय तक शोध और अध्यापन किया। वे सिर्फ वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि शिक्षक भी थे और उन्होंने 50 से अधिक विद्यार्थियों को पीएचडी पूरी करने में मार्गदर्शन दिया। 1952 से 1971 तक उन्होंने द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल के संपादक के रूप में काम किया। उनके नेतृत्व में इस वैज्ञानिक पत्रिका की प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय पहचान बढ़ी।

चंद्रशेखर के नाम पर अंतरिक्ष में वेधशाला भी है

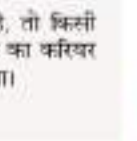
1995 में चंद्रशेखर का निधन हो गया, लेकिन विज्ञान में उनका योगदान आज भी जीवित है। नासा ने 1999 में अपनी एक्स-रे अंतरिक्ष वेधशाला का नाम चंद्रा एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी रखा। यह वेधशाला क्वाड्रंट में मौजूद अत्यधिक गर्म क्षेत्रों, क्वाइंटों और ब्लैक होल के आसपास के वातावरण से निकलने वाली एक्स-रे किरणों का अध्ययन करती है। इसका नाम चंद्रशेखर के सम्मान में रखा गया।



VEDIC ASTROLOGY
DR. AJAI BHAMBANI
ASTROLOGER
ajaiastrology.com

भविष्यफल वैदिक सूर्य राशि पर आधारित है। जन्म कुंडली वैदिक ज्योतिष के आधार पर बनती है। जन्म दिनांक से कुंडली में सूर्य स्थान देखते हैं वही होगा जो खराब मिलेगा है। जानिए अपना आज का राशिफल।

किसी को फिजूल खर्च से नुकसान हो सकता है, तो किसी के लिए घर बदलने का समय उभरता है। किसी का करियर संभरेगा, तो किसी का वैवाहिक जीवन सुखद होगा। जानिए कैसे रहेगा आज आपका दिन।



करियर
पढ़ाई के दौरान किस रास्ते को चुनें, जो आपको बेहतर भविष्य की ओर ले जा सके। ऐसी उलझने हर किसी के पास है, तो यहां मिलेंगे करियर संबंधी समस्याओं के समाधान और आप भी पूछ सकते हैं अपने सवाल...

सचिन भटनागर, करियर काउंसलर, इंडोर

मेघ 14 अप्रैल - 14 मई रुद्र राशि-4 राशि-अश्विनी व्यवसाय में बाहरी पार्टियों से नए ऑर्डर मिल सकते हैं, जो लाभदायक होंगे। हालांकि, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें। कार्यालय में जुड़े मामलों में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, इसलिए अपनी फाइलें और दस्तावेज सुव्यवस्थित रखें। टिप- दुर्गा मां की स्तुति आहुति अरुण करे।	वृषभ 15 मई - 15 जून रुद्र राशि-5 राशि-मेष इस समय आपको अपनी मेहनत के अनुरूप बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। जिस कार्य को भी हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना है। अफिस में आंतरिक गुंजायति के कारण कुछ परेशानियां आ सकती हैं। दायित्व जीवन में उचित तालमेल व मधुरता रखें। टिप- अपने ईंट डेव का सम्मान करें।	मिथुन 16 जून - 15 जुलाई रुद्र राशि-4 राशि-मेष कुछ नए ऑर्डर मिलने की भी अच्छी संभावना है। पति-पत्नी के आपसी संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। एक-दूसरे की भावनाओं को महत्व देने से संबंध और अधिक मजबूत होंगे। व्यर्थ के प्रेम संबंधों में समय नष्ट करने से बचें। स्वास्थ्य सामान्यतः अच्छा रहेगा। टिप- गाय को गुरु-रोटी खिलाएं, प्रणाम करें।	कर्क 16 जुलाई - 15 अगस्त रुद्र राशि-5 राशि-मकर वर्किंग महिलाएं अपने कार्यों में अधिक सक्रियता प्राप्त करेंगी। पति-पत्नी के बीच कुछ तनाव का माहौल बनेगा। घर में किसी बच्चे की किलकारी संबंधी खुशखबरी भी मिल सकती है। नकारात्मक बातों को लेकर मन में कुछ उदासी जैसी स्थिति हावी रहेगी। टिप- एकांत में ध्यान व मेडिटेशन करें।
सिंह 16 अगस्त - 15 सितंबर रुद्र राशि-2 राशि-मेष प्रॉपर्टी डीलिंग में किसी प्रकार की राजनीति या खींचतान आपको परेशान कर सकती है, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां अनुकूल होने लगेंगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। इस समय उनके आपके सहयोग और भावनात्मक संचल की जरूरत होगी। टिप- गफाई कार्यचारियों को उपहार दें।	कन्या 16 सितंबर - 15 अक्टूबर रुद्र राशि-3 राशि-मकर आपका कोई सरकारी कार्य सफल हो सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य बना रहेगा, जिससे घर में सुख-शांति का माहौल रहेगा। लव पार्टनर से मूलकात संभव है। स्वास्थ्य के प्रति सज्ज रहें बीमों की निर्यात जांच अवश्य कराएं। टिप- हनुमान मंदिर में दीप प्रज्ज्वलित करें।	तुला 16 अक्टूबर - 15 नोवंबर रुद्र राशि-4 राशि-मकर अफिस में पब्लिक डीलिंग में सफल रहें, अन्यथा छोटी-सी लापरवाही भी समस्या का कारण बन सकता है। घर के सभी सदस्यों व जीवनसाथी का सहयोग साथ बना रहेगा, पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। प्रेम संबंधों में कुछ मनमुटाव हो सकता है। टिप- जरूरतमंद की आर्थिक मदद करें।	वृश्चिक 16 नोवंबर - 15 दिसंबर रुद्र राशि-7 राशि-मेष व्यवसाय से संबंधित कोई अटक हुआ काम किसी अनुभवी और वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से सुलझ सकता है। हालांकि, विरोधियों की गतिविधियों के प्रति लापरवाह न रहें। महिलाओं से संबंधित व्यवसायों में विशेष सफलता मिलने की संभावना है। टिप- श्री राम स्था स्तौत्र का पाठ करें।
धनु 16 दिसंबर - 13 जनवरी रुद्र राशि-6 राशि-मकर किसी भी तरह के गैरकानूनी कार्यों से स्वयं को दूर रखें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। घर में किसी मुद्दे को लेकर परेशानी हो, तो बाहरी व्यक्ति से सलाह लेने के बजाय परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर उसे सुनाने का आप पूरा प्रयास करें। टिप- घर की स्वच्छता पर खास ध्यान दें।	मकर 14 जनवरी - 11 फरवरी रुद्र राशि-5 राशि-कुम्भ पेपर-फाइलें से संबंधित कार्यों में लापरवाही बरतना उचित नहीं है। मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्यरत लोगों पर काम का अतिरिक्त दबाव रह सकता है। किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए लाभदायक साबित होगा। टिप- चरिष्ठ लोगों का मान-समान करें।	कुम्भ 12 फरवरी - 13 मार्च रुद्र राशि-5 राशि-कुम्भ अपना काम के प्रति जुनून आपको महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने में मदद करेगा। इंशूरेंस और कम्प्लेन से जुड़े व्यवसाय करने वाले लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आएगा। घर की व्यवस्था सुचारु बने रहेगी। टिप- कन्याओं को अध्ययन समर्पित करें।	मीन 14 मार्च - 13 अप्रैल रुद्र राशि-6 राशि-कुम्भ पार्टनरशिप में सावधानी रखें। छोटी-सी गलतफहमी भी आपसी संबंधों में खटास पैदा कर सकती है। फिलहाल मेहनत के अनुरूप अपेक्षित लाभ मिलने में कुछ समय लग सकता है। पति-पत्नी घर की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए हार्मोनल प्रयास करेंगे। टिप- तुलसी में जल चढ़ाएं, दीप दान करें।

गेम के कैरेक्टर बनाने के लिए बीएससी एनिमेशन बेहतर विकल्प

Q. मैं पब्लिक पोलिसी में बीए कर रहा हूँ और सरकारी योजनाओं और उनके असर पर रिसर्च करना चाहता हूँ। ऐसे काम के लिए कौन से संस्थान सही रहेंगे?
-**देवित पाठक, इंदौर**
● बीए इन पब्लिक पोलिसी के बाद आप सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, उनकी कमीयें और समाज पर उनके असर का अध्ययन करने वाले संस्थानों में काम कर सकते हैं। इसके लिए नीति आयोग, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च, जे-फाल माउथ एशिया, सीडीओआई, सेंटर फॉर यूरोपल एंड इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट और अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में अवसर तलाश सकते हैं। यहाँ रिसर्च इंटरन, पॉलिसी रिसर्च असिस्टेंट और प्रोग्राम इवेल्यूएशन इंटरन जैसे पदों से शुरुआत कर सकते हैं। इन कामों में एक सम्मिलन होता है कि योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है या नहीं, उनके बजट का सही इस्तेमाल हो रहा है और उनमें क्या सुधार किए जा सकते हैं। सम्मिलन विकास के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन भी विकल्प हैं। अभी से सरकारी आंकड़ों का विश्लेषण, सर्वे करना और रिसर्च रिपोर्ट लिखना सीखें।

Q. मुझे वीडियो गेम खेलना और उनके कैरेक्टर बनाना पसंद है। क्या बीएससी इन एनिमेशन करना बेहतर होगा या गेम डिजाइन का अलग कोर्स चुनना चाहिए?
-**हरीश नागदेव, रायपुर**
● अगर आपको वीडियो गेम खेलना और उनके कैरेक्टर बनाना पसंद है, तो कोर्स का चुनाव अपनी रुचि पर निर्भर करेगा। बीएससी इन एनिमेशन में 2डी और 3डी एनिमेशन, कैरेक्टर डिजाइन, मॉडलिंग और विजुअल इफेक्ट्स सीखने की मिलते हैं। अगर आप गेम के कैरेक्टर बनाना चाहते हैं, तो एनिमेशन या 3डी कैरेक्टर डिजाइन का कोर्स बेहतर रहेगा। लेकिन अगर आप पूरा गेम डिजाइन करना चाहते हैं, तो गेम डिजाइन का विशिष्ट कोर्स चुन सकते हैं। इसके लिए एनआईटी, आईआईटी बॉम्बे के इंस्टीट्यूट डिजाइन सेंटर, एन एनईएन और माया एकेडमी ऑफ एडवांस्ड क्रिएटिविटी जैसे संस्थानों के पाठ्यक्रम देख सकते हैं। कने से डिजिटल ड्राइंग, ब्लेंडर और 3डी मॉडलिंग का अभ्यास करें। गेम बनाने में रुचि है, तो यूनिटी या अयनरिल इंजन भी सीखें। प्रवेश से पहले फीस, पाठ्यक्रम और एलेमेंट की जानकारी जरूर लें।

एशियन पैरा गेम्स में भारत का धमाकेदार आगाज

पहले ही दिन 11 पदक, शीतल-तोमन ने रचा विश्व रिकॉर्ड, निशानेबाजी में मोना को गोल्ड

नई दिल्ली, ए.जे.सी

आजमान के अलुखी-नामोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही दिन अपनी प्रतिभा का दम दिखाते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। भारत ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथे स्थान हासिल किया। निशानेबाजी, तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा जूडो में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमन कुमार ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच, वहीं निशानेबाजी में मोना अग्रवाल और पैरा एथलेटिक्स में निषाद कुमार ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारत के पदक अभियान की शुरुआत निशानेबाजी में शानदार रही। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एमएस। स्पर्धा में मोना अग्रवाल ने 250 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। पैरालिंपिक चैंपियन अश्विनी लक्ष्मण 249.6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही और उन्हें रजत पदक मिला। दक्षिण कोरिया की यूनरी ली ने कांस्य पदक जीता। मोना ने फाइनल में पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अश्विनी ने रजत पदक जीतने के साथ लीस एथलिटिक्स पैरालिंपिक 2028 के लिए कोटा स्थान भी हासिल किया।



व्यक्तिगत स्पर्धा में शीतल का शानदार प्रदर्शन

तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमन कुमार ने कंघाउंड मिश्रित टीम के रीफिंग दौर में 1402 अंक हासिल कर एशियाई रिकॉर्ड शिवा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दोनों ने 1400 अंकों के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। दिनचर्या बात यह है कि पिछला विश्व रिकॉर्ड भी शीतल देवी और राकेश कुमार की जोड़ी के नाम था। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी



शीतल ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने महिला कंघाउंड रीफिंग दौर में 704 अंक हासिल कर एशियाई रिकॉर्ड बनाया और संयुक्त विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की। वहीं, तोमन कुमार ने पुरुष वर्ग में 698 अंक जुटाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शीतल महिला वर्ग में पहले और तोमन पुरुष वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे।



निषाद कुमार ने लंबी कूद में जीता सोना

पैरा एथलेटिक्स में निषाद कुमार ने पुरुषों की टी47 लंबी कूद स्पर्धा में 7.11 मीटर की छलंग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। ऊंची कूद में अपनी पहचान बनाने वाले निषाद ने लंबी कूद में पदार्पण करते हुए भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्हेंकिरगस्तान के ओमादबेक खासानोव 6.99 मीटर के साथ दूसरे और श्रीलंका के मोहम्मद खकरन 6.55 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अब निषाद की नजर ऊंची कूद स्पर्धा में अपने खिलाफ का बचाव करने पर होगी। महिला 1500 मीटर टी12/टी13 स्पर्धा में सोनिया ने 5 मिनट 12.39 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि राधा वैकेशन ने 5 मिनट 30.90 सेकंड में चौं पुरी कर रजत पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने गण्ड के साथ शानदार तालमेल दिखाया।



पहले दिन के प्रदर्शन से बढ़ी पदक की उम्मीदें

एशियन पैरा गेम्स के पहले दिन भारत ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदकों के साथ शानदार शुरुआत की। विश्व रिकॉर्ड, व्यक्तिगत उपलब्धियों और शिथिल खेलों में मिली सफलता ने भारतीय दल का आत्मविश्वास बढ़ाया है।

पैरा जूडो और तैराकी में भी चमके भारतीय खिलाड़ी

पैरा जूडो में कविल परमार ने पुरुषों के जे1-70 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में इंडोनेशिया के रफेली अहमदाक शिवाकी को महज 69 सेकंड में हराया। महिला जे2-52 किलोग्राम वर्ग में कोरिया के रजत पदक हासिल किया। हालांकि, फाइनल में उन्हें किर्गिस्तान की ऐथिफे उलानबेक कवजी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तैराकी में 18 शरीर कालिक बुडिंगेना ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस।13 स्पर्धा में 56.68 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता। उन्हेंकिरगस्तान के खिलाड़ी ने स्वर्ण और कजाकिस्तान के तैराक ने कांस्य पदक हासिल किया। महिला 1500 मीटर टी11 स्पर्धा में रशियन राइली की नयमी के उल्लेख के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत की रवजी कलारमानी की कांस्य पदक मिला।

वैभव सूर्यवंशी के बाद बिहार के अनमोल का धमाका!

86 गेंदों में ठोक डाले 184 रन, सहवाग और द्रविड़ के बेटों ने भी मचाया तहलका

नई दिल्ली, ए.जे.सी

भारतीय धरेंद्रु क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों का जलवा लगातार बढ़ रहा है। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब बिहार के युवा बल्लेबाज अनमोल कुमार ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। विन् मांकड़ ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ अनमोल ने महज 86 गेंदों में 184 रनों की तुलानी पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी का अंदाज देखकर मैदान पर चौंखों और छकों की बरसल हो गई। इस बीच महान बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ को बेटों ने भी अपनी शानदार पारियों से सुखीर्वा बटोरी है।

बिहार के घरना से आने वाले अनमोल कुमार ने खरिणा के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। उन्होंने अपनी पारी में 18 गनचुंबी छक्के और 11 शानदार चौके लगाए। महज 86 गेंदों में 184 रन बनाकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

अनमोल की इस पारी की कदरना बिहार की टीम ने 46.1 औरर में 325 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। उनके आक्रामक खेल ने मुकाबले में बिहार की स्थिति मजबूत कर दी और टीम की जीत की राह दिखाई।



बिहार ने 18 रन से जीता मुकाबला

325 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम ने भी संघर्ष किया, लेकिन वह 288 रन तक ही पहुंच सकी। वही या अन्य कारणों से प्रभावित मुकाबले में रीजेंडी पद्धति के आधार पर बिहार ने 18 रनों से जीत दर्ज की। अनमोल की इस पारी के बाद उनकी तुलना युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के आक्रामक अंदाज से की जा रही है। लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे

युवा खिलाड़ियों ने धरेंद्रु क्रिकेट में भविष्य के खिलारों की उम्मीद बढ़ा दी है। पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग ने भी हाल ही में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने बंटीगढ़ के खिलाफ 143 गेंदों में 173 रन की बेहतरीन पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी ने क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

द्रविड़ के बेटे अन्वय ने भी जड़ा शतक

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ ने भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने कनॉटक की ओर से खेलते हुए 100 गेंदों में 151 रन बनाए। उनकी इस पारी ने युवा खिलाड़ियों के बीच बल्लेबाजी की बढ़ती प्रतिस्पर्धा को उजागर किया।

युवा प्रतिभाओं से भारतीय क्रिकेट को नई उम्मीद

अनमोल कुमार, आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ की पारियों ने धरेंद्रु क्रिकेट में युवा प्रतिभाओं की तस्वीर दिखाई है। हालांकि, बड़े स्तर पर पहचान बनाने के लिए इन खिलाड़ियों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यदि इनका शानदार कॉम जारी रहता है, तो आने वाले वर्षों में ये भारतीय क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।



न्यूजीलैंड पहुंचते ही छाप वैभव, महिला प्रशंसक भी नहीं रोक पाई खुद को

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों में रमस्रम दिखाने के लिए भारतीय टीम क्रडस्टचर्च पहुंच चुकी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधे न्यूजीलैंड के लिए रवाना हुए थे। टीम इंडिया के इस दौरे को लेकर प्रशंसकों में खामोश उत्साह है। हालांकि, न्यूजीलैंड पहुंचते ही सबसे ज्यादा चर्चा युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की हो रही है, जिन्होंने अपने चंचल अंदाज और चेहरे पर खिलती मुस्कान से सभी का ध्यान खींच लिया।

एयरपोर्ट पर वैभव सूर्यवंशी ने लूटी मस्किन- सोनो स्पोर्ट्स नेटवर्क ने भारतीय टीम के एयरपोर्ट पर पहुंचने का एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में वैभव सूर्यवंशी का अस्वाहित अंदाज देखने को मिला। उनके चेहरे की खुरी और चंचल व्यवहार को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो में भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक नीलम गंधीर और कप्टन चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार भी नजर आए।



संजय बांगड़ की बेटी अनाया के जवाब ने खींचा ध्यान

अभिषेक शर्मा से शादी, शुभमन गिल के साथ डेट और श्रेयस अय्यर को रखा तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली, ए.जे.सी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ एक बार फिर अपने वैष्णव अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। अपने फैशन सेंस और खुलकर अपनी बात रखने के लिए पहचानने जाने वाली अनाया का एक साझाकार इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें उनसे भारतीय क्रिकेट के तीन चर्चित खिलाड़ियों शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और श्रेयस अय्यर को लेकर एक दिलचस्प सबल पूछ गया। अनाया ने बिना हिंसा इसका जवाब दिया, जिसके बाद उनके बयान को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई।

रैपिड फायर में तीन क्रिकेटरों के नाम

एक यूट्यूब चैनल पर बावलीत के दौरान अनाया बांगड़ रैपिड फायर राइड में शामिल हुईं। इस दौरान उन्हें शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और श्रेयस अय्यर के नाम दिए गए। उनसे पूछा गया कि इन तीनों में वह किससे शादी करना चाहेंगी, क्रिकेट काब डेट पर जाना पसंद करेंगी और किसी इस कल्पनाक रावल के ताल चुनने से इनकार करेंगी। यह सवाल मनोरंजन के अंश में पूछा गया था। अनाया ने जवाब देते हुए अभिषेक शर्मा की शादी के लिए चुना। वहीं, शुभमन गिल के साथ डेट करने की इच्छा जताई और श्रेयस अय्यर को तीसरी श्रेणी में रखा।

बीसीसीआई प्रेसिडेंट बोले- रोहित- विराट का चयन उम्र देखकर नहीं

बीसीसीआई प्रेसिडेंट बोले- रोहित- विराट का चयन उम्र देखकर नहीं



□ एजेंसी नई दिल्ली

बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मनहास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह दृष्टिकोण अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा।

मनहास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पॉटस्टर को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे।

मनहास ने कहा- दोनों बैटर्स को लगातार रन बनाने होंगे

मिथुन मनहास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार

अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा।

मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है। तो उसका चयन होना चाहिए।' रोहित-विराट वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के टॉप-3 स्कोरर में शामिल हैं।

वर्ल्ड कप के समय कितनी होगी रोहित-विराट की उम्र

रोहित शर्मा अप्रैल 2027 में 40 साल के हो जाएंगे। जबकि, विराट कोहली वर्ल्ड कप के दौरान 38 साल के होंगे।

पूर्व फिटनेस और फैंस ने भारत के ट्रांजिशन प्लांस पर सवाल उठाए हैं। यह भी चर्चा है कि आने वाले वर्षों में दोनों सीनियर खिलाड़ियों की क्या भूमिका होगी।

लॉर्ड्स में शतक से लौटा रोहित का फॉर्म

रोहित शर्मा की खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए उनके शतक से ये चिंताएं कुछ हद तक दूर हुईं। विराट ने वनडे में अपनी भूमिका का अच्छा फायदा उठाया है। इस फॉर्मेट में उन्होंने ब्रैंडमैन जैसा औसत रखते हुए लगातार रन बनाए हैं।

गिल की कप्तानी में सीनियर्स की भूमिका

मिथुन मनहास ने यह भी बताया कि रोहित और विराट की मौजूदगी से शुभमन गिल को कप्तानी में मदद मिल सकती है। उन्होंने विराट के एमएस धोनी के मार्गदर्शन में सीखने और धोनी के सौख गांशुली से मार्गदर्शन लेने का उदाहरण दिया। मनहास ने कहा, 'शुभमन पिछले दो या तीन साल से गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं। वे भारत की कप्तानी भी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप अभियान में यह अनुभव उनके काम आएगा।' तक पहुंचे। यह स्कोर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका मजबूत स्थिति में

दूसरे टेस्ट में कप्तान बावुमा ने 179 रन बनाए; मार्को यानसन और साइमन हार्मर की फिफ्टी

□ एजेंसी नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। टीम ने तीसरे दिन 9 विकेट पर 425 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दिन का खेल खत्म होने तक 4 रन पर 1 विकेट गंवा दिया था। मंगलवार को कप्तान टेम्बा बावुमा ने गकेबरहा में 179 रन की पारी खेली। मार्को यानसन ने 85 रन बनाए। साइमन हार्मर ने 82 रन का योगदान दिया।

बावुमा ने करियर की सबसे बड़ी पारी खेली

बावुमा ने टेस्ट फिट में अपना सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका पहला शतक भी है। टेस्ट में उन्होंने पांचवां शतक लगाया। पिच पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी। गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और साउथ अफ्रीका ने 110 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। बावुमा ने पारी संभालते हुए शतक पूरा किया। इसके बाद उन्होंने पारी को आगे बढ़ाया और 179 रन तक पहुंचे। यह स्कोर



ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी साउथ अफ्रीकी कप्तान का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है।

टेम्बा बावुमा से हाथ मिलाते हुए ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी।

9 चौके और 3 छक्के शामिल थे। बावुमा जहां संभलकर खेल

रहे थे, वहीं यानसन ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर पलटवार किया। उन्होंने मिचेल स्टार्क के एक ओवर में तीन चौके लगाए और स्कॉट बोलैंड की गेंदों पर भी बड़े शॉट खेले। पेट कर्मिस के खिलाफ उन्होंने डीप स्क्वोरर लेग के ऊपर छक्का लगाया। हार्मर ने बावुमा के साथ 183 रन जोड़े। यानसन के आउट होने के बाद साइमन हार्मर ने बावुमा का साथ दिया। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 183 रन की साझेदारी की। हार्मर ने 82 रन बनाए।

बोलैंड को 5 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने 81 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। जोश हेजलवुड ने तीसरे दिन केवल 9 ओवर गेंदबाजी की।

रबाडा ने पहली ही ओवर में विकेट दिलाया

कगिसो रबाडा ने पारी के पहले ही ओवर में ऑस्ट्रेलिया के निक मैडिन्सन को आउट कर दिया। मैडिन्सन चार गेंद खेलकर शून्य पर आउट हुए।

इस वजह से एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया देशमुख

जेनेलिया देशमुख बॉलीवुड की सबसे चंचल अभिनेत्रियों में शामिल होती हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल में भी अभिनय किया है। हालांकि एक वक्त ऐसा आया जब उन्होंने फिल्मों से अचानक ब्रेक ले लिया। वह लगभग एक दशक तक फिल्मों से गायब रहीं। उनके फैंस हैरान थे कि अचानक वह लाइमलाइट से दूर क्यों हो गई थीं। जेनेलिया ने इसकी वजह बताई है।

एक दशक तक फिल्मों से दूर रहीं जेनेलिया

जेनेलिया देशमुख फिल्मों से क्यों दूर हो गईं उन्होंने इसके बारे में साल 2022 में बात की थी। बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान जेनेलिया ने बताया पिछले 10 वर्षों तक मैं गुहणी थी। मैंने कुछ नहीं किया। मैं वहां सिर्फ रिश्ते के लिए थी। ईमानदारी से कहूँ तो वही मेरी जिंदगी थी। उन्होंने बताया गुहणी बनने का काम सबसे कठिन काम है।

जेनेलिया ने परिवार को दी अहमियत

आपको बता दें कि साल 2012 में रितेश देशमुख से शादी करने के बाद जेनेलिया ने फिल्मों में काम करना छोड़ दिया। उन्होंने घर की और मां की जिम्मेदारी

निभाई। उन्होंने अपने बच्चों रियान और राहिल के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्होंने फिल्मों से सन्यास नहीं लिया था। उन्होंने बस परिवार को ज्यादा अहमियत दी थी।

जेनेलिया में है रियल आकर्षण

जहां कई अभिनेत्रियां ग्लैमरस भूमिकाओं के पीछे भागती हैं, वहीं जेनेलिया अपने आकर्षण के साथ अलग दिखती हैं। जेनेलिया ने बताया कि उन्होंने एक साल में सबसे ज्यादा विज्ञापन करने के लिए अवॉर्ड जीता है। लोग हैरान थे कि एक साधारण दिखने वाली एक्ट्रेस को लोग कैसे इतना ज्यादा पसंद करते हैं।

सितारे जमीन पर में किया बेहतरीन काम

जेनेलिया देशमुख साल 2022 में अपने पति के साथ वेद फिल्म में नजर आईं। अब जेनेलिया आमिर खान के साथ फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने अपने अभिनय से लोगों को हैरान कर दिया है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में दिखाया गया है कि एक कोच 10 दिव्यांग बच्चों को बास्केटबॉल सिखाता है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खूब चल रही है।

फातिमा ने कारस्टिंग काउच पर की बात

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिने' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान फातिमा ने मी टू अभियान और कारस्टिंग काउच को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में कैसे चीजें बदली हैं और क्या बदलाव आया है।

चीजों में आया है बदलाव

बातचीत के दौरान फातिमा ने कहा कि मी टू अभियान के बाद इंडस्ट्री में एक बदलाव देखने को मिल रहा है। काफी हद तक चीजें बदली हैं और जवाबदेही बढ़ी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं। लोग बहुत ज्यादा जवाबदेह हैं। वे थोड़े ज्यादा डरे हुए हैं। आज ज्यादातर फिल्म सेट पर दुराचार की शिकायतों को पुलिस मामलों में बदने से पहले ही संबोधित करने के युक्ति हैं, ताकि आप उनसे इस मामलों से जुड़ी शिकायतें कर सकें। इन मुद्दों पर बातचीत को अब ज्यादा गंभीरता से लिया जाता है। अब बातचीत होती है। जांच होती है। यह हर इंडस्ट्री में होती है।'

यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'आप किसी के साथ काम कर रहे हैं, आप इंटीमेट हो गए हैं। लेकिन फिर आप समझ नहीं पाते, चीजें बदल जाती हैं। ये सब अक्सर होता है। संदेह का लाभ अक्सर सही ढंग से, महिलाओं को दिया जाता है। क्योंकि यह एक पुरुष प्रधान इंडस्ट्री है। और अब, मी टू के बाद, महिलाएं इसके बारे में बात कर सकती हैं। आपको जवाबदेह ठहराया जाएगा।' अपने अनुभवों को बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैंने बॉलीवुड में इसका सामना नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री खराब है। कोई भी घटना जो हुई है, वह बस एक छोटी सी, छोटी-मोटी बात और कोई बातचीत थी। इस तरह के मुद्दे केवल फिल्म सेट तक ही सीमित नहीं हैं। असल में कॉर्पोरेट जगत में भी यह समस्या उतनी ही गंभीर है। जब आप साथ होते हैं तो कॉर्पोरेट इंडस्ट्री ही जीवन है। इसलिए वहां यह और भी अधिक है। और भी अधिक खतरनाक है।' इस दौरान फातिमा ने पॉश की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस एजेंसी में कलाकारों, वरु और सभी एक्टओडी के साथ आप बैठक कर सकते हैं। आपको बताया जाएगा कि आपके अधिकार क्या हैं, क्या उचित है, क्या नहीं।



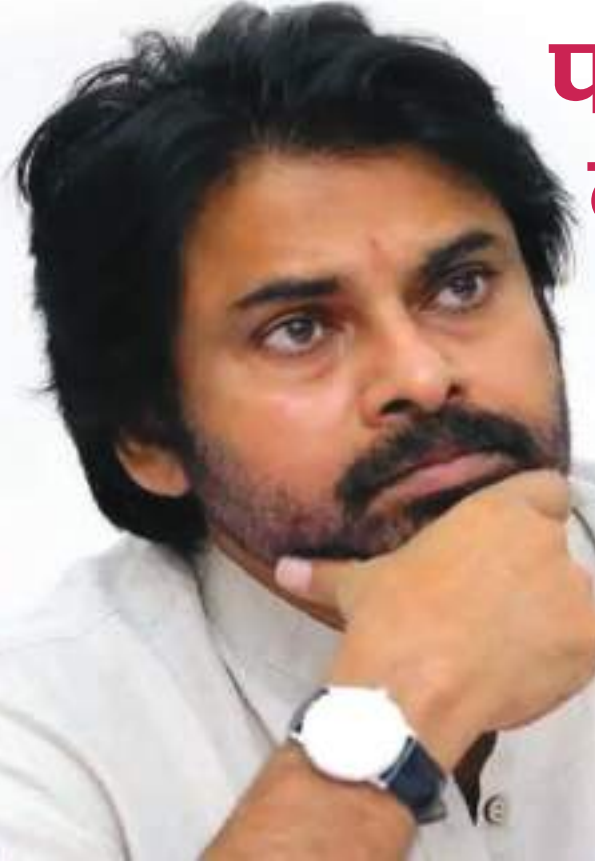
क्रोएशिया में फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग एन्जॉय कर रहे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों क्रोएशिया में अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं शूटिंग के दौरान वह हर पल का आनंद लेते दिखाई दिए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कई तस्वीर और वीडियो शेयर किए। पोस्ट में कार्तिक बिजी शेड्यूल में भी मौज-मस्ती करते दिखे। अभिनेता तस्वीरों में सुंदर जगहों का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। पहले वीडियो में वह फुटबॉल खेलते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि, दूसरी तस्वीर में वह एक स्थानीय पिज्जा आउटलेट के बाहर पोज देते दिखाई दिए। दूसरी वीडियो में वह एक लाइव सॉन्ग कॉन्सर्ट को एन्जॉय कर रहे हैं। तीसरी वीडियो में वह कार में बैठे हुए अपनी दाढ़ी सेट करवाते दिखाई दे रहे हैं, उनके चारों ओर फिल्म के वरु मेबर्स हैं, सभी मिलकर हंसी-मजाक कर रहे हैं। पोस्ट को शेयर करते हुए कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी कुछ दिन पहले, अनन्या पांडे ने क्रोएशिया में कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म का शेड्यूल पूरा किया था। इसको यादगार बनाने के लिए कार्तिक और अनन्या ने अपनी पिछली फिल्म पति पत्नी और वो के हिट ट्रैक धीमे धीमे पर डांस किया था। डांस में दोनों ने गाने का सिग्नेचर हुक स्टेप परफॉर्म किया, वीडियो शेयर कर कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, अपनी अनन्या का शेड्यूल रैप हो और हम धीमे-धीमे पर डांस ना करें, ऐसा कैसा हो सकता है। करण जोहर के प्रोडक्शन में बन रही फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के जरिए दोनों पहली बार किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए साथ में काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन समीर कर रहे हैं। इससे पहले यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थीं, जिसे मुद्स्सर अजीज ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक इन दिनों अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म का अभी तक टाइटल सामने नहीं आया है।



स्पेशल ऑप्स 2 से विकास मनकतला की बहुप्रतीक्षित एंट्री

विकास मनकतला ने अपने ओटीटी करियर की धमाकेदार शुरुआत स्पेशल ऑप्स 2 से कर दी है। नीरज पांडे के इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शामिल होना उनके 19 साल लंबे करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। टीवी से शुरुआत करने वाले इस अभिनेता ने 2006 में चर्चित शो लेफ्ट राइट लेफ्ट से लोगों का दिल जीता था और तभी से वे कई टेलीविजन शो में अपने अभिनय की छाप छोड़ रहे हैं। लगभग दो दशकों की मेहनत और सफर के बाद, विकास अब ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं और वह भी एक ऐसी सीरीज के साथ, जो पहले से ही अपनी थ्रिलिंग स्टोरीटेलिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। इस बदलाव को सिर्फ माध्यम का बदलाव नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में उनके नए अध्याय की शुरुआत माना जा सकता है। विकास ने अपनी तैयारी के बारे में बोलते हुए कहा, स्पेशल ऑप्स 2 के लिए तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं थी, असली चुनौती थी उस एजेंट की मानसिक स्थिति को समझना। वह मानसिक मजबूती, पल में निर्णय लेने की ताकत और उस जीवन की भावनात्मक कौमत्। और यह सब नीरज सर की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन से ही मुमकिन हो पाया। हम सभी ने स्क्रीन पर असलियत लाने के लिए दिल से मेहनत की है। यह एक ऐसा रोल है, जो पूरी तरह से समर्पण माँगता है और हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए दिल से आभार है। विकास की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा और निरंतर प्रयास का फल जरूर मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में उनके किरदार को लेकर फैंस में ख़ासा उत्साह है, और हर कोई देखना चाहता है कि ये अनुभवी अभिनेता इस हाई-ऑक्टेन सीरीज में क्या नया लेकर आ रहे हैं।



पवन कल्याण ने बॉलीवुड को कहा मजाक का पात्र

तेलुगु स्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बॉलीवुड के खिलाफ अपने हालिया बयानों से सबका ध्यान खींचा है। एक्टर आगे अपनी दो बड़ी फिल्मों की रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कैसे साउथ सिनेमा अपनी भारतीय जड़ों के प्रति अधिक सच्चा रहा है, जबकि बॉलीवुड अधिक व्यवसायिक हो गया है। हाल ही में ऑर्गनाइजर वीकली से बातचीत में पवन कल्याण ने भारतीय सिनेमा शब्द को खारिज कर दिया और इस बारे में बात कि कैसे हर फिल्म इंडस्ट्री ने अपनी व्यक्तिगत ताकत दिखाई है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय जड़ों से जुड़ी हिंदी फिल्में मिलना बेहद मुश्किल है क्योंकि बॉलीवुड एक इंडस्ट्री के रूप में अधिक बिजनेस माइंडेड और पैसों के प्रति समर्पित हो गया है। इसे एक मजाकिया बात बताते हुए उन्होंने कहा, समय के साथ यह अलग-अलग पीढ़ियों से आए फिल्ममेकर्स के कारण बदल गया। खासकर, हिंदी सिनेमा। तब से कुछ ऐसी फिल्में हैं जिन्होंने सांस्कृतिक रूप से जुड़े कैरेक्टर्स को मजाक बना दिया है।

पवन कल्याण ने आगे बताया कि कैसे बॉलीवुड की तुलना में साउथ सिनेमा ने लगातार भारतीय संस्कृति का अधिक प्रतिनिधित्व कर रही है। हिंदी सिनेमा में भी कुछ समय से ऐसा हो रहा है। उदाहरण के लिए, अगर आप दंगल देखें, तो दंगल भारतीय संस्कृति का ज्यादा प्रतिनिधित्व कर रही है। यह एक ऐसी फिल्म थी जिसका आपकी भारतीयता से जुड़ाव है। आजकल उस तरह का सिनेमा दुर्लभ हो गया है। वर्कफ्रंट पर पवन कल्याण अपनी आगामी फिल्म हरि हर वीरा मल्लू पर नजर गड़ाए हुए हैं, जो 24 जुलाई, 2025 को बड़े पर्दे पर आने वाली है। इसके अलावा, उनकी अगली फिल्म दे कॉल हिम ओजी है, जो इस साल 25 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके कैलेंडर में उताद भगत सिंह भी शामिल है।

‘निकिता रॉय’ के लिए बहन सोनाक्षी सिन्हा परफेक्ट

फिल्म निर्माता कुश सिन्हा ने अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'निकिता रॉय' में बहन सोनाक्षी सिन्हा को मुख्य भूमिका में चुनने की वजह बताई। कुश ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पूरी तरह से सोनाक्षी के टैलेंट और योग्यता पर आधारित था। बातचीत में कुश ने बताया, मेरे लिए सोनाक्षी इस किरदार के लिए सबसे सही थीं। उनकी स्क्रीन प्रेजेंस और अभिनय की विविधता कमाल की है। उनकी फिल्में 'अकीरा', 'लुटेरा' और 'दबंग' में उनका काम देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि उनके पास कमाल के एक्टिंग स्किल्स हैं। वह किरदारों में गहराई से उतरती हैं और स्क्रीन पर शानदार तरीके से निभाती हैं। उन्होंने आगे बताया कि शुरू से ही उन्हें यकीन था कि सोनाक्षी 'निकिता रॉय' के किरदार को जीवंत कर देंगी, वह इस रोल के लिए परफेक्ट हैं। फिल्म 'निकिता रॉय' को निर्देशित करने की प्रेरणा के बारे में कुश ने कहा, मुझे इसकी कहानी ने आकर्षित किया। यह कहानी नई है, जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के हर एक किरदार जैसे निकिता रॉय, जॉली, अमरदेव और फ्रेया में कुछ न कुछ बेहद खास है, जब किरदार मजबूत होते हैं, तो कहानी अपने आप दमदार बन जाती है। यही इस प्रोजेक्ट को खास बनाता है। उन्होंने बताया, सबसे मुश्किल काम स्क्रिप्ट को बेहतर बनाना था। पवन कृपालानी ने शानदार स्क्रिप्ट लिखी, लेकिन हमें इसे और गहरा करना था। स्क्रिप्ट को फिर से लिखना और उसे निखारना रचनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था।

